27 नवंबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

भारत का संविधान देश का सर्वोच्च विधान है : हर्षित सिंह

2

सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस : राष्ट्रपति मुर्मू की अपील- बच्चों को भी संविधान के बारे में रोचक जानकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा, आज के दिन मैं उन संविधान निमार्ताओं को सादर नमन करती हूं जिन्होंने विश्व इतिहास के सबसे विशाल लोकतन्त्र के सबसे बड़े लिखित संविधान को स्वरूप दिया। कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका ने संविधान के आदर्शों का पालन और मयार्दाओं का निर्वहन किया है। इसके लिए मैं इन तीनों स्तंभों से जुड़े लोगों की सराहना करती हूं। उन्होंने कहा, भारत का संविधान हमारा राष्ट्रीय ग्रंथ है। संविधान के मूल्यों के अनुसार संस्थाओं और व्यक्तिगत जीवन को संचालित करना हमारा राष्ट्रीय धर्म है। राष्ट्रपति ने कहा, एक कानूनी दस्तावेज होने के बावजूद, जन-भागीदारी और व्यापक प्रतिनिधित्व के बल पर हमारा

संविधान जनता का संदर्भ-ग्रंथ बन गया। आने वाली पीढ़ियां संविधान के साथ जुड़ाव महसूस करती रहें इसके लिए बच्चों को संविधान के बारे में रोचक जानकारी दी जानी चाहिए। मुर्मू ने कहा, हमारा संविधान विश्व इतिहास के सबसे बड़े गणराज्य का स्रोत है। यह विविधता में एकता का स्रोत है। यह विषमताओं की पृष्ठभूमि में स्थापित की गई समता का स्रोत है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, समन्वयपूर्ण सांविधानिक व्यवस्था से हमारे नागरिक लाभान्वित होंगे तथा हमारा देश विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगा। इससे पहले आज पुराने संसद भवन के केंद्रीय सभागार में आयोजित संविधान दिवस समारोह में राष्ट्रपति ने कहा था कि आज के दिन 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत संविधान के निर्माण का कार्य संपन्न किया था। आज के दिन हम भारत के लोगों ने अपने संविधान को अपनाया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'स्वाधीनता के बाद संविधान सभा ने भारत की अंतरिम संसद के रूप में भी कर्तव्य का निर्वहन किया। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख निमार्ता में से थे। बाबा साहब के 125 वीं जयंती के वर्ष में यानी 26 नवंबर 2015 में प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान राष्ट्र की पहचान की आधारशिला है और गुलामी की मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज भी है।

पूरे देश में होनी चाहिए एक जैसी न्यायिक नीति : सीजेआई सूर्यकांत

भारत के नए चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि पूरे देश में एक जैसी न्यायिक नीति होनी चाहिए। उनका मतलब था कि अलग-अलग अदालतों के फैसले कई बार एक-दूसरे से बहुत अलग होते हैं, जिससे लोग समझ नहीं पाते। एक समान नीति होने से फैसले साफ, सीधे और एक जैसे होंगे। सुप्रीम कोर्ट बार संघ के संविधान दिवस कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा कि वकील और जज दोनों मिलकर संविधान की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अदालतें संविधान की रक्षा करती हैं, तो वकील वे लोग हैं जो रास्ता दिखाते हैं और अदालत को अपना काम स्पष्ट तरीके से करने में मदद करते हैं।

सीजेआई सूर्यकांत बोले-कल डेढ़ घंटा टहला, तबीयत बिगड़ गई

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की वजह से लोगों की तबीयत बिगड़ रही है और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। उखक सूर्यकांत भी इससे प्रभावित दिखे। उन्होंने बुधवार को रक्फ पर चल रही सुनवाई के दौरान इसका जिक्र किया। कहा कि मैं मंगलवार शाम को एक घंटा टहला। प्रदूषण की वजह से मेरी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने कहा, हमें जल्द इसका हल निकालना होगा। दरअसल हुआ यह कि इलेक्शन कमीशन के एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने उखक से खराब सेहत की वजह से सुनवाई से छूट मांगी। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह दिल्ली के मौसम की वजह से हो रहा है। उखक ने कहा कि मैं सिर्फ टहलता हूं। अब यह भी मुश्किल हो रहा है। इसके बाद

सीजेआई सूर्यकांत ने उम्रदराज वकीलों के भी सुनवाई के लिए कोर्ट में आने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के वकीलों को इन-पर्सन (आमने-सामने) हियरिंग से बाहर रखने की बात पर विचार किया गया है। फैसला जल्द होगा। हालांकि अभी कार्यवाही फिजिकल और वर्चुअल दोनों तरीकों से होती है। दरअसल उखक बुधवार को तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों में रक्फ को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे थे। इस सुनवाई में चुनाव आयोग की ओर से सीनियर वकील राकेश द्विवेदी पेश हुए। वहीं राज्यों का पक्ष कपिल सिब्बल ने रखा। एडवोकेट द्विवेदीः माई लॉर्ड मॉर्निंग वॉक पर जाने के बाद मुझे कुछ दिक्कतें हो रही हैं। प्लीज मेरे सहयोगी को सुनवाई में शामिल होने दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होना चाहता हूं। एडवोकेट सिब्बलः हां मैं इससे सहमत हुआ, हमारी उम्र में इस खराब हवा में सांस लेना काफी मुश्किल है। जब एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 400-500 है। सीजेआई सूर्यकांतः कल, मैं एक घंटे के लिए टहलने गया था। मेरी तबीयत खराब हो गई।

संविधान दिवस के खास मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों से क्या कहा

पीएम मोदी ने संविधान दिवस पर पत्र लिखकर बताया पहली बार वोटर बनने वाले युवा क्यों मनाए जश्न?

एजेंसी। नई दिल्ली

आज 26 नवंबर है और यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण तारीखों में से एक है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत गणराज्य ने इसी दिन अपना संविधान अपनाया था। इस खास मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों के नाम एक पत्र लिखा है, जिसमें प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत का संविधान कितना महान है, हमारी जिंदगी में मौलिक कर्तव्यों का क्या महत्त्व है और जो लोग पहली बार मतदाता बने हैं, उन्हें इसका उत्सव क्यों मनाना चाहिए। इस आर्टिकल में पढ़िए, संविधान दिवस के खास मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों से क्या कहा। प्रधानमंत्री मोदी एक्स पर पोस्ट किया, "संविधान दिवस पर मैंने देशभर के अपने परिवारजनों के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें हमारे संविधान की महानता, जीवन में मौलिक कर्तव्यों का महत्त्व और हमें पहली बार मतदाता बनने का उत्सव क्यों मनाना चाहिए, ऐसे कई विषयों पर अपने विचार साझा किए हैं। इस पोस्ट के साथ पीएम मोदी ने एक अपने पत्र का लिंक भी साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, "26 नवंबर हर भारतीय के लिए बहुत गौरवशाली दिन है। इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। इसलिए एक दशक पहले, साल 2015 में ठऊअ सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। हमारा संविधान एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है, जो निरंतर देश के विकास का सच्चा मार्गदर्शक बना हुआ है। ये भारत के संविधान की ही शक्ति है जिसने मुझ जैसे गरीब परिवार से निकले साधारण व्यक्ति को प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचाया है। संविधान की वजह से मुझे 24 वर्षों से निरंतर सरकार के मुखिया के तौर पर काम करने का अवसर मिला है। मुझे याद है, साल 2014 में जब मैं पहली बार संसद भवन में प्रवेश कर रहा था, तो सीढ़ियों पर सिर झुकाकर मैंने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को नमन किया।

पीएम मोदी ने दिलाई मौलिक कर्तव्यों की याद

अपने पत्र में पीएम मोदी ने ये भी लिखा, "हमारे संविधान का आर्टिकल 51अ मौलिक कर्तव्यों को समर्पित है। ये कर्तव्य हमें सामाजिक और आर्थिक प्रगति प्राप्त करने का रास्ता दिखाते हैं। महात्मा गांधी ने हमेशा नागरिकों के कर्तव्यों पर बल दिया था। वे मानते थे कि जब हम ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, तो हमें अधिकार भी स्वतः मिल जाते हैं। हमें राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना होगा। देश ने हमें कितना कुछ दिया है। इसके लिए हम सबके मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। जब हम इस भावना से जीवन जीते हैं, तो कर्तव्य अपने आप जीवन का स्वभाव बन जाता है।

कैबिनेट मीटिंग में 4 प्रोजेक्ट को मंजूरी : पुणे मेट्रो का विस्तार होगा

- परमानेंट मैग्नेट इंडस्ट्री के लिए ₹7280 करोड़ की योजना

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 4 प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 9858 करोड़ रुपए से पुणे मेट्रो का विस्तार किया जाएगावहीं रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट बनाने वाली इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए 7280 करोड़ रुपए की योजना लाई गई है। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV), डिफेंस, एयरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने में जरूरी होते हैं। इसके अलावा, अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने गुजरात की द्वारका-कनालूस रेलवे लाइन और महाराष्ट्र की कर्जत-बदलापुर रेलवे लाइन को डबल करने की मंजूरी दी है। यानी रेल लाइनों पर और ट्रैक बनाए जाएंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई थी। इसमें कुल 18,541 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बैठक में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा था कि 6 प्रोजेक्ट्स पहले से ही स्वीकृत हैं और आज 4 नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इसके तहत ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में प्लांट्स लगाए जाएंगे, जिसके लिए 4,594 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

लापरवाही : बारासात अस्पताल में मृतक की आंख गायब, मचा हंगामा, सीएम ममता ने परिजनों को निष्पक्ष जांच का दिया भरोसा

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित बारासात मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मंगलवार को बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया। सड़क हादसे में मृत युवक प्रीतम घोष के शव को लेने पहुंचे परिजनों ने आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम के बाद शव की एक आंख गायब थी। यह आरोप लगते ही अस्पताल परिसर में भारी हंगामा हो गया और लोगों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। घटना ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।परिजनों के मुताबिक जब शव पोस्टमार्टम के बाद सौंपा गया,

तब उन्होंने देखा कि मृतक की एक आंख मौजूद नहीं थी। परिजनों ने तत्काल अस्पताल अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। आरोप है कि अधिकारियों ने शुरूआत में इसे टालने की कोशिश की और कहा कि संभव है आंख चूहे ने खा ली हो। इस बयान के सामने आते ही मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और अस्पताल के बाहर भीड़ जमा होने लगी। अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत एक जांच कमेटी बनाने की घोषणा की। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट ने बताया कि परिजनों से लिखित शिकायत ले ली गई है और अब सीसीटीवी फुटेज, मॉर्ग रिकॉर्ड और पोस्टमार्टम प्रक्रियाओं की जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि यदि किसी की लापरवाही सामने आती है, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच कमेटी को जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। परिजनों का कहना है कि यह कोई सामान्य लापरवाही नहीं है बल्कि पोस्टमार्टम प्रक्रिया में गंभीर कमी का मामला है।

परिवारों से समय पर सूचना देने की अपील की

यूआईडीएआई ने दो करोड़ से अधिक मृत व्यक्तियों के आधार आईडी की बंद

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने देशभर में डाटाबेस की अब तक की सबसे बड़ी सफाई करते हुए मर चुके 2 करोड़ से अधिक लोगों के आधार आईडी बंद कर दी। यूआईडीएआई ने रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया, राज्य और यूटी प्रशासन, लोक वितरण प्रणाली और राष्ट्रीय सोशल असिस्टेंस प्रोग्राम समेत कई सरकारी चैनलों से मौतों का डाटा लिया। इलेक्ट्रानिक मंत्रालय ने कहा कि यूआईडीएआई

मरे हुए लोगों की जानकारी तक पहुंच को मजबूत करने के लिए वित्तीय संस्थानों और दूसरी कंपनियों के साथ साझेदारी की संभावना भी तलाश रहा है। यूआईडीएआई ने कहा, हालांकि आधार नंबर कभी किसी दूसरे व्यक्ति को दोबारा नहीं दिए जाते, लेकिन मौत के बाद आईडी को बंद करना पहचान में धोखाधड़ी या कल्याण योजना के लाभ के लिए आधार के किसी भी दुरुपयोग को रोकने के लिए जरूरी है। अनऑथराइज्ड इस्तेमाल को रोकने के लिए जरूरी है।इस पूरी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए यूआईडीएआई ने इस साल की शुरूआत में 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम के जरिये दर्ज मौतों के लिए माय आधार पोर्टल पर परिवार के किसी सदस्य की मौत की रिपोर्टिंग सेवा शुरू की। बाकी इलाकों के लिए एकीकरण का काम चल रहा है। परिवार के सदस्य पोर्टल पर खुद को सत्यापित कर उनके यहां मरे हुए व्यक्ति का आधार नंबर, मृत्यु पंजीकरण नंबर और डेमोग्राफिक विवरण साझा कर सकते हैं। यूआईडीएआई इस जानकारी की जांच करता है और उसके बाद आईडी बंद कर देता है।

भारत का संविधान देश का सर्वोच्च विधान है : हर्षित सिंह

- आज न्यायालय परिसर में मनाया गया 76वां संविधान दिवस
- व्यवहार न्यायालय, बक्सर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कराया प्रस्तावना का सामूहिक पाठ

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार बुधवार को व्यवहार न्यायालय, बक्सर परिसर में राष्ट्रीय संविधान दिवस का आयोजन गरिमामय माहौल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वाह्न 10.15 बजे हुआ, जिसमें मुख्य रूप से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों, बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं, पैनल अधिवक्ताओं, पैरा लीगल वॉलंटियर्स, न्यायालय कर्मियों एवं आम नागरिकों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कराया।

मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने कहा कि भारत का संविधान देश का सर्वोच्च विधान है, जो शासन की रूपरेखा, सरकारी तंत्र के अधिकार-कर्तव्यों और नागरिकों के मूल अधिकारों का संरक्षण करता है। उन्होंने कहा कि संविधान 26 नवंबर 1949 को पारित किया गया था और 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। 26 नवंबर को संविधान दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में देशभर में मनाया जाता है।

इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार महेश्वर नाथ पांडे ने संविधान की विविध विशेषताओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था या राष्ट्र की सुचारू व्यवस्था के संचालन हेतु बनाए गए नियम ही उसका संविधान कहलाते हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान रखता है, जिसमें वर्तमान में 25 भाग, 12 अनुसूचियां और लगभग 470 अनुच्छेद शामिल हैं। संविधान लागू होने के समय इसमें 22 भाग, 8 अनुसूचियां और 395 अनुच्छेद थे, जिनमें समय-समय पर 106 संशोधन किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान की मूल हस्तलिखित प्रति 251 पृष्ठों की है, जिसका वजन लगभग 3.75 किलोग्राम है और इसे प्रेम बिहारी नारायण रायजादा द्वारा सुंदर कैलिग्राफी में लिखा गया था। संसद में संरक्षित मूल प्रति का वजन करीब 13 किलोग्राम है। संविधान निर्माण में कुल 2 वर्ष 11 महीने 18 दिनों का समय लगा और संविधान सभा, जिसे ड्राफ्टिंग कमेटी भी कहा जाता है, का गठन 6 दिसंबर 1946 को हुआ था। इसके प्रमुख सदस्य डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मौलाना अबुल कलाम आजाद सहित विभिन्न समुदायों व राज्यों से प्रतिनिधि शामिल थे। कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय, बक्सर के कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मनोज कुमार प्रथम, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मनीष शुक्ला, सुदेश कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार शर्मा, मानस कुमार वत्सल, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी महेश्वर नाथ पांडे, न्यायिक दंडाधिकारी गौरव कुमार सिंह, चंदन कुमार सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरीय कर्मचारी राजीव कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार, कुदेन्दु कुमार दुबे, संतोष कुमार द्विवेदी, धनंजय कुमार, नीरज, अमरेंद्र भारती, दीपक गुप्ता, कहकंशा परवीन, आशीष रंजन, किरण कुमारी, शैलेश ओझा, नीरज कुमार, अमर नाथ चौधरी, अशोक कुमार, सुनील कुमार, दीपेश श्रीवास्तव, सुमित कुमार सहित अनेक कर्मचारीगण एवं आम नागरिक भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय संविधान दिवस के इस कार्यक्रम ने समस्त प्रतिभागियों में संविधान के प्रति जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

संविधान संरक्षण पर संगोष्ठी, कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का लिया संकल्प

- डॉ. मनोज पांडेय की अध्यक्षता में विचार-विमर्श, अनेक बुद्धिजीवी व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को ह्लसंविधान संरक्षण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षाह्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देश और प्रदेश कांग्रेस के आदेश के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने की, जबकि शहर के अनेक शिक्षाविद, अधिवक्ता, समाजसेवी और व्यापारी वर्ग के लोगों की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता के रूप में एम.एम. कॉलेज के पूर्व शिक्षक डॉ. प्रो. श्यामजी मिश्रा को अंगवस्त्र, कांग्रेस दुपट्टा, गांधी टोपी और संविधान की प्रति भेंट कर आमंत्रित किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि 1950 में संविधान लागू होने के बाद कांग्रेस ने देश को स्थिर नेतृत्व प्रदान करते हुए संविधान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 11 आम चुनावों में कांग्रेस को मिले जनादेश ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूती दी। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान को उन्होंने संविधान और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। डॉ. पांडेय ने बताया कि नरसिंहा राव सरकार द्वारा 73वें और 74वें संशोधनों के माध्यम से पंचायतों व नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा मिला और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित हुआ। वहीं मनमोहन सिंह सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, खाद्य सुरक्षा तथा भूमि अधिग्रहण जैसे कानून संविधान की मूल भावना को मजबूत करने वाले कदम थे। वहीं, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉ. प्रमोद ओझा ने कहा कि संविधान सभा में कांग्रेस के वैचारिक नेतृत्व और संख्या बल के कारण ही मजबूत संविधान संभव हो पाया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर की चेतावनी का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन की नीयत खराब होने पर बेहतरीन संविधान भी प्रभावहीन हो जाता है। कार्यक्रम में संजय कुमार पांडे, वीरेंद्र राम, संजय दुबे, पप्पू दुबे, डॉ. सत्येंद्र ओझा, त्रिजोगी नारायण मिश्रा, कमल पाठक, साबिर हाशमी, अभय मिश्रा, पिंकी कुमारी, कुमकुम देवी, खुशबू कुमारी सहित सैकड़ों प्रतिभागियों ने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने संविधान की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास और आवश्यकता पड़ने पर बलिदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

संविधान दिवस पर अनंतविजयम एकेडमी में युवाओं ने सजाया मॉक संसद का मंच

- एक राष्ट्र-एक चुनाव और रोजगार पर तकनीक का प्रभाव पर छात्रों की सारगर्भित बहस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्थित अनंतविजयम एकेडमी में बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर नेशनल यूथ पार्लियामेंट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एकेडमी के प्रेसिडेंट चन्दन कुमार मिश्रा के संबोधन से हुई, जिसके बाद सभागार में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने भारत के संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस मौके पर बच्चों ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ भी ली।

यूथ पार्लियामेंट में ह्लएक राष्ट्र-एक चुनावह्व तथा ह्लतकनीकी का रोजगार पर प्रभावह्व जैसे समसामयिक विषयों पर छात्रों द्वारा प्रभावी, तर्कपूर्ण और जिम्मेदाराना बहस प्रस्तुत की गई। सभा का संचालन सभा अध्यक्ष ज्ञानी कुमारी ने कुशलता से किया। नेता सदन की भूमिका शिवानी कुमारी ने निभाई, जबकि विपक्ष का नेतृत्व श्रेयशी ठाकुर ने संभाला। जेनरल सेक्रेटरी के रूप में सत्यम कुमार ने कार्यवाही को व्यवस्थित दिशा दी।

सत्तापक्ष से आशु पाण्डेय, शहरयार, अदिति कुमारी, जीगर कुमार, ममता कुमारी, अर्चना कुमारी, शाक्षी कुमारी, आकांक्षा पाठक, रितीश ओझा ग्रेसी, ओम आर्या, रौशन कुमार, रिया कुमारी और अलिशा ने अपने-अपने तर्कों के साथ विषय का समर्थन किया। वहीं विपक्ष की ओर से राजन कुमार, रवि कुमार, सोनाक्षी कुमारी, नंदनी, रिद्धिमा कुमारी, रितेश सिंह, अनुराग तिवारी, सलोनी कुमारी, नयन कुमारी और निधि ने मुद्दों पर सारगर्भित प्रश्न उठाते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया। मीडिया की भूमिका में श्रृष्टि कुमारी, प्रिया कुमारी, पियूष गुप्ता, पियूष यादव और प्रियांशु कुमार ने संसद की कार्यवाही का जीवंत चित्रण किया और सदस्यों से तीखे सवाल भी पूछे। मॉक सदन के सफल आयोजन में उप प्राचार्य संतोष कुमार राय के साथ शिक्षक सिद्धी सिंह, शिवम गुप्ता, आकांक्षा कुमारी, काजल शाक्या, पूनम तिवारी, विनीता कुमारी, रवी भूषण और माधवी मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने छात्रों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक समझ, नेतृत्व क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को मजबूत करती हैं।

कैंपस नियुक्ति चयन शिविर 27 नवंबर को, आईटीआई अभ्यर्थियों के लिए सुनहरा अवसर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) डुमरांव, बक्सर द्वारा 27 नवंबर को कैंपस नियुक्ति चयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में गुजरात की प्रसिद्ध वेस्टर्न रेफ्रिजरेशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को आमंत्रित किया गया है। संस्थान प्रशासन ने बताया कि यह कैंपस चयन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है तथा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए बेहतर रोजगार का अवसर प्रदान करेगी। कंपनी द्वारा प्रशिक्षु (अस्थायी अवधि के आधार पर) के पदों पर कुल 300 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाएगी। चयन के लिए पात्रता मानदंड में आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि शैक्षणिक योग्यता के रूप में वर्ष 2015 से 2025 तक के आईटीआई पास अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 19,600 रुपये मासिक वेतन (सीटीसी) प्रदान किया जाएगा। कार्यस्थल वलसाड़, गुजरात रहेगा,

जहां कंपनी के विभिन्न उत्पादन इकाइयों में उन्हें जिम्मेदारियां दी जाएंगी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डुमरांव के प्राचार्य मो. मसूद रशीद ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे 27 नवंबर (गुरुवार) को सुबह 10 बजे तक अनिवार्य रूप से कैंपस में उपस्थित हों। अभ्यर्थियों को अपने सभी आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा तथा पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाना अनिवार्य है। प्राचार्य ने कहा कि स्थानीय स्तर पर इतने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलना युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसलिए पात्र अभ्यर्थी समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

परिवार और समाज दोनों के लिए विनाशकारी साबित होता नशा : प्रभारी डीएम

- बक्सर में नशा मुक्ति दिवस पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित
- प्रभारी जिलाधिकारी आकाश चौधरी ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ, राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट भी देखा गया

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर के सभाकक्ष में बुधवार को ह्यह्यनशा मुक्ति दिवसह्ल के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी जिलाधिकारी आकाश चौधरी ने की। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार पूरे बिहार में नशामुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में बक्सर जिले में भी कई महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की गईं। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सबसे पहले पटना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव वेबकास्टिंग दिखाया गया।

इसके उपरांत प्रभारी जिलाधिकारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह परिवार और समाज दोनों के लिए विनाशकारी साबित होता है। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार द्वारा लागू की गई शराबबंदी से समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं। इससे परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं तथा बच्चों की शिक्षा पर भी अच्छा प्रभाव पड़ा है।

कार्यक्रम के दौरान प्रभारी जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया कि ह्लमैं निष्ठापूर्वक संकल्प लेता/लेती हूं कि शराब एवं किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ का सेवन नहीं करूंगा/करूंगी। साथ ही दूसरों को भी नशा करने से रोकने और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने का प्रयास करूंगा/करूंगी।ह्ल

उन्होंने कहा कि नशे के कारण समाज में अपराध, घरेलू कलह, आर्थिक क्षति और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं बढ़ती हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। प्रभारी जिलाधिकारी आकाश चौधरी ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे नशे से दूर रहें और अपने आस-पास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आने से युवा पीढ़ी का भविष्य प्रभावित होता है, जिससे समाज के विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जिले में नशा मुक्ति को लेकर चलाए जा रहे जन-जागरण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि प्रशासन विभिन्न संस्थाओं, सामाजिक संगठनों एवं विद्यालय-महाविद्यालयों के सहयोग से निरंतर अभियान चलाता रहेगा। इसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम में कई पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने नशामुक्ति का संकल्प लेकर समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समापन में प्रभारी जिलाधिकारी ने आशा जताई कि बक्सर जिला शीघ्र ही नशामुक्ति अभियान में एक मिसाल

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

छोटे किसानों के लिए आधुनिक खेती बनी आसान

- ड्रोन तकनीक से लेकर जैविक उत्पादन तक, किसान चौपाल में विशेषज्ञों ने दिए नए सुझाव

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के चुन्नी और पवनी पंचायत के विभिन्न गांवों में आयोजित किसान चौपाल में कृषि विभाग के विशेषज्ञों ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ खेती पद्धति में सुधार आवश्यक है, ताकि छोटे व कमजोर किसान भी कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें। चौपाल में किसानों को ड्रोन तकनीक, मिट्टी परीक्षण, जैविक खेती और यंत्रीकरण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई।

चौपाल को संबोधित करते हुए प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अमृता सिंह ने कहा कि कृषि यंत्रीकरण अब केवल बड़े किसानों तक सीमित नहीं रहा। विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सब्सिडी योजनाओं के कारण छोटे किसान भी आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर प्रशिक्षण देकर किसानों को नए कृषि मॉडल से जोड़ा जा रहा है, जिससे फसल की उत्पादकता बढ़ेगी और आमदनी में भी इजाफा होगा।

वहीं कृषि समन्वयक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि कृषि विभाग अब ड्रोन तकनीक को तेजी से प्रोत्साहित कर रहा है। ड्रोन के माध्यम से खाद और दवाओं का छिड़काव पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से होता है, जिससे लागत कम होने के साथ समय की भी बचत होती है। उन्होंने कहा कि भले ही ड्रोन मशीनें आर्थिक रूप से मजबूत किसान ही खरीद सकें, लेकिन छोटे और सीमांत किसान भी सेवा शुल्क पर इनका उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए विभाग द्वारा समूह आधारित मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि हर किसान आधुनिक तकनीक से लाभान्वित हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि जनसंख्या बढ़ने और खेतों के आकार घटने के कारण छोटे कृषि यंत्रों की मांग तेजी से बढ़ी है। कई आधुनिक उपकरण अब ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं, जिससे किसानों को खरीदारी में सुविधा मिल रही है। विभाग की ओर से ड्रोन सहित अनेक यंत्रों पर सब्सिडी दिए जाने की वजह से आधुनिक खेती छोटे किसानों की पहुंच में आ रही है।

सहायक तकनीक प्रबंधक जितेंद्र सिंह ने मिट्टी परीक्षण को खेती की पहली जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि बिना जांच के उर्वरक या कीटनाशक का उपयोग कई बार फसल को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए बीजोपचार, मिट्टी परीक्षण और जैविक खाद के उपयोग को आदत में शामिल करना चाहिए। उन्होंने किसानों को पराली नहीं जलाने की सख्त सलाह देते हुए कहा कि पराली जलाने से भूमि की उर्वरता घटती है और पर्यावरण को भी नुकसान होता है।

चौपाल में उपस्थित किसान सलाहकारों ने भी आधुनिक खेती के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए और विभागीय योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने किसानों को आश्वासन दिया कि आधुनिक कृषि तकनीक और यंत्रीकरण ही भविष्य की खेती को लाभकारी बना सकता है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

महारानी उषारानी बालिका विद्यालय में संविधान दिवस पर आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

■ जिला व विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशन में प्रस्तावना, मौलिक अधिकार-कर्तव्य व शिक्षा के अधिकार पर हुई विस्तृत चर्चा

केटी न्यूज/डुमरांव

महारानी उषारानी बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय, डुमरांव में मंगलवार को भारतीय संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर छात्राओं को जागरूक करने के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष हर्षित सिंह तथा अवर न्यायाधीश सह सचिव नेहा दयाल के निर्देशन में पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव और पीएलवी अनिशा भारती ने छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, कर्तव्य तथा शिक्षा के अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सचिन्द्र कुमार तिवारी, सुनील कुमार, जितेन्द्र मिश्रा, रवि प्रभात, विमल कुमार, रीना कुमारी, पल्लवी यादव, वी.के, गायत्री कुमारी, अजय कुमार सहित कई शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे। छात्राओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने लायक था। प्राचार्य सचिन्द्र तिवारी ने कहा कि छात्राओं ने संविधान संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां रोचक तरीके से सीखी हैं, जिससे उनमें जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य एवं संचालन सुनील कुमार ने किया।

पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव ने प्रस्तावना को संविधान का ह्लपरिचय-पत्रह्व बताते हुए कहा कि यह भारत के प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता और समानता की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि मौलिक कर्तव्य नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों को प्रोत्साहित करते हैं। 1976 के 42वें संविधान संशोधन और बाद में 2002 के संशोधन से कर्तव्यों की सूची में विस्तार किया गया, जिसमें तीन शब्द समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता विशेष रूप से जोड़े गए। अनुच्छेद 51(ए) में कुल 11 मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख है।

शिक्षा के अधिकार पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि संविधान के भाग-4 में अनुच्छेद 45 और 39(एफ) में राज्य को वित्तपोषित शिक्षा का प्रावधान है। 1993 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन केस में शिक्षा को अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार माना। इसके बाद 2002 के 86वें संशोधन के माध्यम से अनुच्छेद 21ए जोड़ा गया, जिसके आधार पर 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 लागू किया गया।

पीएलवी अनिशा भारती ने छात्राओं को बताया कि आरटीई एक्ट 2009 प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य और निःशुल्क बनाता है। यह निजी ट्यूशन, अवैध स्कूलों, स्क्रीनिंग प्रक्रिया, अतिरिक्त शुल्क तथा बच्चों के मानसिक, शारीरिक उत्पीड़न पर भी रोक लगाता है।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के नवाडेरा गांव के समीप एनएच 922 की है घटना

साइकिल से दूध लाने जा रहे कामगर को टेलर ने रौंदा, मौत

■ पुराना भोजपुर का रहने वाला है मृतक, टेलर को जब्त कर जांच में जुटी पुलिस, चालक फरार

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर-पटना फोरलेन पर बुधवार की सुबह एक तेज रफ्तार टेलर चालक ने साइकिल सवार को रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दुर्घटना को अंजाम दे टेलर चालक अपना वाहना छोड़ फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है।

मृतक की पहचान पुराना भोजपुर के रामजी प्रसाद पिता स्व. केशरी चौरसिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वे हर दिन भांति सुबह करीब 7.30 बजे अपने घर से साइकिल से नवाडेरा से दूध लाने जा रहे थे। जैसे ही वे अपने गांव के आखिरी छोर पर पुरानी सड़क को छोड़ फोरलेन को क्रास करने का प्रयास किए, उसी दौरान तेज रफ्तार टेलर की चपेट में आ गए।

इस घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई तथा वे मौके पर ही अचेत हो गए थे। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजन तथा ग्रामीण उन्हें आनन-फानन में लेकर सदर अस्पताल बक्सर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि होते ही स्वजनों में क्रंदन-चित्कार मच गई।

मजदूरी से होता था जीविकोपार्जन

ग्रामीणों का कहना है कि मृतक काफी गरीब परिवार से है तथा वह बिल्डिंग मेटेरियल की एक दुकान पर मजदूरी करता था, जबाकि इकलौता पुत्र घर के समीप ही एक छोटी दुकान चलाता है। घटना के बाद से पूरा परिवार बदहवास हो गया था। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए।

वाहन को जब्त कर चालक की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस द्वारा दुर्घटना को अंजाम देने वाले टेलर को अपनी अभिरक्षा में ले लिय गया है। पुलिस चालक की तलाश में जुट गई है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में स्वजनों द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया था, बावजूद पुलिस अपने स्तर से मामले की पड़ताल कर रही है।

पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंपा शव

वहीं, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजनों को सौंप दिया। स्वजन शव लेकर पहले पैतृक घर पहुंचे। यहां रामजी के शव को देखते ही घर तथा आस पड़ोस की महिलाओं रोने-चिखने लगी। जिससे माहौल गमगीन हो गया था।

इस घटना के बाद बक्सर-पटना फोरलेन पर वाहनों के तेज रफ्तार परिचालन तथा लगातार हो रही दुर्घटनाओं से लोगों में आक्रोश गहरा गया है। लोगों ने परिवहन विभाग तथा जिला प्रशासन से एनएच 922 पर परिवहन मानकों को धरातल पर उतारने तथा तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एक नजर

फरार सरबजीत की तलाश में पुलिस की घेराबंदी तेज, यूपी बॉर्डर तक बढ़ा दबाव

चक्की। चक्की थाने की पुलिस ने बक्सर व्यवहार न्यायालय परिसर से हथकड़ी के साथ फरार हुए शराब तस्कर सरबजीत की गिरफ्तारी के लिए अभियान को और सघन कर दिया है। पुलिस की यह कार्रवाई अब सिर्फ स्थानीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसकी पहुंच पड़ोसी राज्य यूपी तक बढ़ा दी गई है। इसी सिलसिले में मंगलवार की देर रात पुलिस टीम बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र अंतर्गत दौलतपुर गांव पहुंची, जहां फरार आरोपित के संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की गई। देर रात तक चली इस कार्रवाई में कई स्थानों की तलाशी ली गई, लेकिन फरार आरोपित का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। गौरतलब है कि सरबजीत बिंद उर्फ. लंबू (32 वर्ष), पिता यमुना बिंद, को पूर्व में चक्की पुलिस ने शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था। हालांकि, आगे की प्रक्रिया के दौरान उसने पुलिस को चकमा दे दिया और मौके से फरार हो गया। उसके फरार होने के बाद पूरे मामले की जांच और तेज हो गई है, तथा उसे दोबारा पकड़ने के लिए पुलिस लगातार दबिश बनाए हुए है। थानाध्यक्ष अजय कुमार के अनुसार, टीम पूरी गंभीरता के साथ तलाशी अभियान चला रही है और किसी भी स्तर पर ढिलाई की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही है। उनका कहना है कि तकनीकी इनपुट और स्थानीय सूत्रों की सहायता से गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं तथा उम्मीद है कि बहुत जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फरार आरोपित की खोज में चक्की और यूपी पुलिस के बीच समन्वय भी बढ़ाया गया है, ताकि सीमावर्ती इलाकों में उसकी आवाजाही पर नजर रखी जा सके। पुलिस का मानना है कि दबाव बढ़ने के बाद उसके छिपने की संभावनाएं सीमित हो जाएंगी और गिरफ्तारी किसी भी समय संभव है। लगातार जारी छापेमारी और बढ़ते पुलिस दबाव से स्पष्ट है कि सरबजीत की गिरफ्तारी अब बस समय की बात रह गई है।

घर के बरामदे खड़ी बाइक उड़ा ले गए चोर, प्राथमिकी दर्ज

बक्सर। औद्योगिक थाना क्षेत्र के सोनवर्षा निवासी राजीव रंजन मिश्रा द्वारा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाबा नगर में डेरा लेकर रहने के दौरान उनकी बाइक चोरी हो गई। जिसको लेकर मुफस्सिल थाने में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वही, मामले में जांच कर रही है। बताया जाता है राजीव रंजन मिश्रा प्रतिदिन की तरह मंगलवार की रात भोजन के बाद अपनी काली रंग की सुपर स्प्लेंडर बाइक को घर के बरामदे के बाहर खड़ी कर भीतर चले गए। बुधवार की सुबह जब वे बाहर आए तो देखा कि उनकी बाइक मौके से गायब है। आसपास तलाश करने और पड़ोसियों से पूछताछ करने के बावजूद बाइक से संबंधित कोई जानकारी नहीं मिल पाई। बाइक चोरी की पुष्टि होने के बाद पीड़ित ने मामले की सूचना थाने को दी। इसके आधार पर बुधवार की दोपहर मुफस्सिल थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पीड़ित ने बताया कि बाइक पूरी तरह लॉक कर खड़ी की गई थी, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने रात के समय सुनसान का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया। इस संबंध में प्रभारी इंचार्ज एसआई चंदन कुमार ने बताया कि पीड़ित का आवेदन प्राप्त होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

नई शिक्षा नीति में समावेशी शिक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी आयोजित, देशभर के शिक्षाविद होंगे शामिल

केटी न्यूज/राजपुर

तियरा स्थित प्रहलाद राय टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में 29 नवंबर को नई शिक्षा नीति 2020 के तहत समावेशी शिक्षण कार्यक्रम विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। कॉलेज परिसर स्थित मल्टी परपज हॉल में होने वाले इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संस्थान के सचिव डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में आयोजित हो रहे इस संगोष्ठी को लेकर कॉलेज प्रशासन उत्साहित है।

महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि शिक्षा जगत की नामचीन हस्तियां इसमें भाग लेंगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुल सचिव प्रो. डॉ. आर. के. ठाकुर शामिल होंगे। इसके अलावा देशभर के कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे।

संगोष्ठी में एनसीईआरटी, भुवनेश्वर के प्रो. डॉ. ऋषिकेश सेनापति, मणिपुर सेंट्रल यूनिवर्सिटी के फिजिकल एजुकेशन विभाग के प्रो. डॉ. टी. इनाबोई सिंह, प्रो. डॉ. ज्ञान देवमणि त्रिपाठी, आर्यभट्ट कॉलेज यूनिवर्सिटी पटना की पूर्व डीन प्रो. डॉ. उषा सिन्हा तथा बीएन मंडल यूनिवर्सिटी मधेपुरा की प्रो. डॉ. मोहिनी कुमारी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

इसके अतिरिक्त सहरसा के आर.जे.एम. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मृगेंद्र कुमार, डीआईईटी सोनपुर के प्रवक्ता डॉ. जयप्रकाश सहित कई अन्य विषय विशेषज्ञ भी समावेशी शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कॉलेज प्रशासन का मानना है कि यह संगोष्ठी शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

नारायणजी हत्याकांड: मामा ने दर्ज कराया हत्या का एफआईआर, पुलिस की तफ्तीश तेज

■ मंगलवार की सुबह एनएच 922 के किनारे झाड़ियों से बरामद हुआ था शव, मुंह व नाक से निकला था खून और झाग

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव के पास एनएच 922 के किनारे मिले किशोर के शव मामले में एफआईआर दर्ज हो गया है। मृतक के मामा व सिमरी थाना क्षेत्र के डुमरी गांव निवासी अमरेश कुमार ने अपने भांजे की हत्या का आरोप लगाते हुए अज्ञात अपराधियों पर एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस की जांच तेज हो गई है।

पुलिस को दिए आवेदन में मृतक के मामा ने जिक्र किया है कि 24 नवंबर की शाम से ही वह गांव में ही एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात करीब नौ बजे वहां से खाना खाकर आया तथा अपने दादाजी के लिए घर से खाना लाने गया, लेकिन लौटकर वापस नहीं आया।

हालांकि, बुधवार की शाम तक इस मामले में पुलिस को सफलता नहीं मिल सकी थी। पुलिस वैज्ञानिक अनुसंधान तथा अपने मुखबिरो के सहारे किशोर के कातिल तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। वहीं, नारायणजी दूबे की संदेहास्पद स्थिति में मौत के बाद बड़का ढकाईच गांव में चचाओं का बाजार तेज हो गया है।

बता दें कि मंगलवार की सुबह लेवाड़ गांव के पास पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब 200 मीटर उत्तर झाड़ियों में उसका शव पड़ा था। उसके मुंह तथा नाक से खून व झाग निकला था। जिससे प्रथम दृष्टया यह अनुमान लगाया गया था कि नशीला या विषैला पदार्थ खाने या सुनियोजित तरीके से हत्या कर इसे हादसे का रंग देने का प्रयास किया गया है।

हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया। वहीं, शव का पोस्टमार्टम भी कराया गया।

थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि किशोर की मौत मामले में मामा के बयान पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा कि नारायण की मौत कैसे हुई है।

फिलहाल ग्रामीणों के बीच यह सवाल तैर रहा है कि क्या वह किसी हादसे या मादक पदार्थों के ओवर डोज का शिकार हुआ था या फिर साजिश के तहत उसकी हत्या की गई है। बहरहाल पुलिस की जांच व पोस्टमार्टम तथा एफएसएल रिपोर्ट के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि उसकी मौत कैसे हुई थी।

बुजुर्ग बोझ नहीं, आशीर्वाद हैं : डॉ. विकास कुमार

■ अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर डुमरांव में सम्मान समारोह आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बुनियाद केंद्र में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनुमंडल क्षेत्र से पहुंचे दिव्यांगजनों, वृद्ध महिला-पुरुषों और अभिभावकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी बुजुर्गों को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर एवं फल-माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद अंगवस्त्र देकर उनके प्रति आदर और कृतज्ञता प्रकट की गई। सम्मान पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर खिली मुस्कान ने माहौल को भावुक और प्रेरणादायी बना दिया।

इस मौके पर केंद्र के फिजिथेरेपिस्ट डॉ. विकास कुमार ने बताया कि बुनियाद केंद्र में बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए हर प्रकार की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। यहां श्रवण, नेत्र एवं शारीरिक परीक्षण के साथ-साथ नवजात शिशुओं में दिव्यांगता एवं सुनने की क्षमता की जांच की व्यवस्था भी है। इसके अलावा, जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण तथा उनके उपयोग से संबंधित मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाता है।

स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों में लाभार्थियों को तत्काल अस्पताल भेजने की सुविधा भी केंद्र में मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के संबंध में केंद्र के कर्मी लाभार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए योग्य लोगों को योजना से जोड़ने का काम करते हैं। अधिकारियों के अनुसार 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी महिला-पुरुष इसके लाभार्थी हैं, जबकि दिव्यांगजन किसी भी आयु वर्ग के हों, वे इस सुविधा के दायरे में आते हैं। साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु की विधवाओं को भी संबंधित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास किए जाते हैं।

केंद्र में फिजियोथेरेपी की आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जहां प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा नियमित सेवाएं दी जाती हैं। बुजुर्गों ने बताया कि यहां मिलने वाली सुविधाएं और अधिकारियों का व्यवहार उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का भरोसा देता है।

कार्यक्रम में कश्मीरी चौधरी, मुन्ना राम, कार्तिक कुमार एवं ममता कुमारी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने बुजुर्गों को समाज की धरोहर बताते हुए उनके प्रति सम्मान और सेवा की भावना को आगे बढ़ाने की अपील की।

संविधान दिवस पर जागरूकता और शिक्षा का संकल्प बच्चों से लेकर समाज प्रतिनिधियों ने बढ़ाया कदम

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के कनेहरी उच्च विद्यालय से लेकर राजपुर मुख्यालय तक संविधान दिवस इस बार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जागरूकता और शिक्षा का व्यापक संदेश लेकर मनाया गया। कनेहरी उच्च विद्यालय में प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरूआत संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से हुई। छात्रों को संविधान के मूल अधिकारों और समानता के संदेश से अवगत कराया गया। नशा मुक्ति का संदेश देते हुए शिक्षकों ने बच्चों को ह्लनशा छोड़ो, शिक्षा से नाता जोड़ोह्व के नारों के साथ प्रेरित किया। विद्यालय की छात्राएं पिंकी, रचना, संतोषी, फूल कुमारी सहित कई छात्र-छात्राएं सक्रिय रूप से शामिल रहीं।

इधर, राजपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में अंबेडकर संघ द्वारा भारतीय संविधान दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता वंश नारायण राम ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। वक्ताओं ने संविधान को भारत की ह्यआत्माह्व बताते हुए कहा कि शिक्षा, रोजगार और अभिव्यक्ति के जो अधिकार हमें प्राप्त हैं, वह संविधान की देन है, इसलिए हर नागरिक को उसके मूल्यों पर चलना चाहिए। संघ के सदस्यों ने घर-घर संविधान की प्रति रखने की अपील की, ताकि लोग अपने अधिकारों को समझ सकें और मजबूत बना सकें।

बिजली बिल समय पर जमा नहीं करने वालें उपभोक्ताओं की बत्ती होगी गुल

केटी न्यूज/रोहतास

विद्युत विभाग के उपभोक्ता यदि आप समय पर बिजली बिल जमा नहीं कर रहे हैं और इत्मीनान से अपने घरों में बत्ती जला रहे हैं, टेलीविजन का आनंद ले रहे हैं, तो सावधान हो जाएं आपके घर की बत्ती कभी भी गुल हो सकती है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की अब बिजली विभाग के जाँच दल द्वारा बिजली बिल समय पर जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के घरों की बत्ती गुल करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गयी है। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल जमा करने के लिए जागरूकता अभियान भी चल रहा है। उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा करने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, उसके लिए मोबाइल ऐप से भी बिजली बिल जमा करने की सुविधा प्रदान की गयी है साथ ही बिजली बिल जमा करने के लिए विभाग के कार्यालय में काउंटर भी खुला रहता है। यहां तक कि प्रत्येक पंचायत स्तर पर मीटर मान पाठक भी कार्यरत हैं उनके माध्यम से भी बिजली बिल जमा कर पावती प्राप्त किया जा सकता है। इसके बावजूद हजारों की संख्या में ऐसे उपभोक्ता हैं जो समय पर बिजली बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं, अब उन लोगों के घरों की बत्ती शीघ्र गुल हो जायेगी। कार्यपालक अभियंता ने आगे कहा कि कंपनी द्वारा बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के घर का कनेक्शन काटने की जिम्मेदारी विभाग द्वारा गठित डिस्कनेक्शन टीम को सौंपी गयी है। विभाग द्वारा जो सूची उपलब्ध करायी गयी है उसमें वैसे उपभोक्ताओं का नाम अंकित है जिनके द्वारा लगातार 6 महीने से बिजली बिल जमा नहीं की गयी है या फिर जिनके यहां 20 हजार रुपये से अधिक का बिजली बिल बकाया हो गया है उन लोगों का कनेक्शन काटने को कहा गया है। बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं का विभाग द्वारा लाइन काट देने के बाद अगर दुबारा चोरी छिपे बिजली का उपयोग करते पकड़ाए गए तो फिर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी। जानकारी के अनुसार समय पर बिजली बिल जमा नहीं करने तथा चोरी-छिपे बिजली जलाये जाने के कारण कंपनी को नुकसान उठाना पड़ रहा है जबकि विभाग द्वारा जितना बिजली बिल खर्च हो रही है, उसके एवज में राजस्व प्राप्त करने के लिए कई कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद भी खर्च के मुताबिक विभाग को आमदनी नहीं हो पा रही है। इसका प्रमुख वजह यही है कि लोगों द्वारा समय पर बिजली बिल जमा नहीं की जा रही है या फिर चोरी-छिपे भी बिजली का प्रयोग किया जा रहा है। खास कर ऐसे कई गांव हैं, जहां लोग सामूहिक रूप से तो बिजली का उपयोग कर रहे हैं लेकिन उन गांव से महज 35 से 40 प्रतिशत ही उपभोक्ता समय पर बिजली बिल जमा कर रहे हैं। वैसे स्थिति के कारण विभाग को प्रत्येक महीने राजस्व की हानि उठानी पड़ रही है।

कांड में बचे शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए की जा रही छापेमारी

गोली हत्याकांड में दो लोग गिरफ्तार एसपी ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास पुलिस कप्तान रौशन कुमार अपने कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि 17 नवंबर को दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत हसरी डिहरा पुल के पास एक व्यक्ति सुधीर कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके संबंध में उनके परिजनों द्वारा तीन व्यक्तियों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एएसपी संकेत कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया था। जिसमें थानाध्यक्ष दिनारा, थानाध्यक्ष भानस के साथ तकनीकी सहायता के लिए जिला आसूचना इकाई

रोहतास की टीम को भी शामिल किया गया था। 19 नवंबर को गठित टीम द्वारा कांड के नामजद अभियुक्त लखन कुमार पिता धनजी राम सा०+थाना दिनारा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। उन्होंने कहा कि दिनांक 25 नवंबर को गठित टीम द्वारा इस कांड के नामजद मुख्य अभियुक्त देवदास कुमार उर्फ नागा पिता लक्ष्मण राम स्थानीय थाना के ग्राम कूड़ को गिरफ्तार किया गया। इस कांड में गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ के क्रम में इस बात का खुलासा किया कि कुछ माह पूर्व अभिषेक पांडेय उर्फ अभि पिता टुन्ना पांडेय ग्राम तोड़ा का एक युवती के साथ आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें अभिषेक पांडेय को शक था कि यह वीडियो इस कांड के नामजद अभियुक्त रौशन कुमार एवं नागा कुमार के द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। इसी बात को लेकर अभिषेक पांडेय ने रौशन तथा नागा को अपने साथियों के साथ मिलकर जिसमें मृतक सुधीर कुमार भी शामिल था,मारपीट किया तथा उनका नग्न वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके कारण रौशन एवं नागा ने अपने साथियों के साथ मिलकर सुधीर कुमार की हत्या की योजना बनाई एवं घटना को अंजाम दिया। अभिषेक पांडेय एवं उनके साथियों के द्वारा देवदास उर्फ नागा तथा रौशन कुमार के साथ मारपीट एवं उनका नग्न वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के संबंध में नागा कुमार के द्वारा दिए गए बयान के आधार पर इस घटना में शामिल चार नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध दिनारा थाना कांड संख्या 528/25 के आलोक में विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है । कहा कि अभिषेक पांडेय एवं उनके भाई रिंटू पांडेय जो कि पूर्व के कांड में न्यायिक अभिरक्षा में हैं। उनको दिनारा थाना कांड संख्या 528/25 में रिमांड किया जा रहा है तथा उन्हें पुलिस रिमांड पर भी लेकर पूछताछ करने का निर्देश दिया गया है । उन्होंने कहा कि इस कांड में बचे शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही इस कांड में गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास के संबंध में जांच की जा रही है। साथ ही साथ टीम में शामिल सभी सदस्यों को पुरस्कृत किया जा रहा है।

नोखा परिषद में विकास योजनाओं पर हुई चर्चा, बिलंब होने पर जताई नाराजगी

केटी न्यूज/रोहतास

नोखा नगर परिषद बोर्ड की बैठक बुधवार को सभापति राधेश्याम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में नगर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और चल रहे कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपसभापति धनजी सिंह, कार्यपालक अधिकारी सुजीत कुमार, प्रबंधक प्रवीण कुमार ओझा, बिजली विभाग के अरविंद कुमार रमन और सभी वार्ड पार्षद उपस्थित थे।

योजनाओं में देरी पर जताई नाराजगी : बैठक के दौरान वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सदन में रखा। उन्होंने कई योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी पर नाराजगी व्यक्त की और आरोप लगाया कि अनुमोदित योजनाओं पर अब तक अमल नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय नागरिकों को परेशानी हो रही है।

बैठक में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा की गई, जिनमें शामिल हैं : हाई मास्क लाइट और तिरंगा लाइट लगाना,साइनेज बोर्ड और वेलकम गेट का निर्माण,विभिन्न सड़कों पर पेवर ब्लॉक बिछाना,स्थायी प्याऊ और यात्री शेड का निर्माण,प्रशासनिक भवन की मरम्मत,महाराजगंज और हरिहरपुर में पुलिया निर्माण,जबरा, ठेकही बलिरामपुर और सलेमपुर में पेवर ब्लॉक बिछाना। इसके अलावा, पुराने वार्डो तहत 11 से 25 में नल-जल की मरम्मत, मोक्षधाम में सुविधाओं का विस्तार, सामुदायिक भवनों और शौचालयों की मरम्मत, धोसिया गाँव के मैदान स्थित गोदाम का अधिग्रहण, ओपन जिम और पार्क निर्माण, चबूतरा निर्माण तथा तालाब और कुएँ के जीर्णोद्धार जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बैठक में नगर क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पार्षदों ने योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन और नागरिकों की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया।

विस्तारित क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स और अन्य मुद्दे : बैठक में विस्तारित क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स लगाने, सभी वार्डों में दर निर्धारण और वसूली, तथा नाली और गली योजनाओं के चयन और कार्यान्वयन को भी प्रमुखता दी गई। बैठक में शिव कुमार प्रसाद, राम इकबाल राम, मनोज कुमार, कंचन कुमारी, तेज नारायण सिंह, मंजुषा कुमारी, सुदामा कुमार, प्रमोद कुमार पासवान, कंचन देवी, शदरून निशा, आरती देवी, नयेमा खातुन, मंजू देवी, निर्मला देवी, विनय कुमार, अलिशेर अंसारी, सुनीता कुमारी, ललिता देवी, रेणु देवी, प्रमोद कुमार, अयोध्या राम, कृष्णावती देवी और श्री राम प्रसाद सहित कई प्रमुख पार्षद उपस्थित थे।

बरडीहा : रेड लाइट एरिया से 17 नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- **तीन तस्कर गिरफ्तार,सिंगिंग के नाम पर डर्टी वर्क कराने का आरोप**

केटी न्यूज/रोहतास

जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के बरडीहा स्थित रेड लाइट एरिया में मंगलवार शाम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 17 नाबालिग लड़कियों को बरामद किया गया और तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की अचानक छापेमारी से इलाके में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई एएसपी सह एसडीपीओ बिक्रमगंज संकेत कुमार के नेतृत्व में की गई। अभियान में जिले के 6 से अधिक थानों की पुलिस टीम शामिल थी। पुलिस ने कई घरों में तलाशी ली और सभी 17 नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित हिरासत में लेकर थाने भेजा। सिंगिंग के नाम पर अनैतिक कार्य कराने की बात आई सामने एसडीपीओ संकेत कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि इस क्षेत्र में नाबालिग

लड़कियों को बहला-फुसलाकर रखा जा रहा है और 'सिंगिंग' के नाम पर उनसे अनैतिक कार्य करवाए जा रहे हैं। जांच में पता चला कि इन बच्चियों को छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से खरीदकर लाया गया था। पुलिस ने नाबालिगों की खरीद-फरोख्त में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद सभी नाबालिगों का मेडिकल जांच और आयु निर्धारण जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) द्वारा कराया जा रहा है। नाबालिग पाई जाने वाली लड़कियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा, जबकि बालिगों से विस्तृत पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, सभी 17 नाबालिग लड़कियों को मोहनिया स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

एक नजर

नशामुक्ति दिवस पर बैठक कर निकाली गई जागरूकता रैली

सासाराम। बुधवार को नशा मुक्ति दिवस के अवसर सासाराम रेलवे स्टेशन से प्रातः 7.30 बजे से सरकारी छात्र-छात्रों द्वारा प्रभात फेरी में बिहार की बेटियाँ करे पुकार,नशामुक्त हो अपना बिहार,नशे का जो हुआ शिकार, उजड़ा उसका घर परिवार, हमने यह ठाना है, बिहार को नशामुक्त बनाना है। नारों के साथ शहर के पुरानी जीटी रोड होते हुए फजलगंज स्टेडियम गयी। इसमें जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, मद्य निषेध विभाग के सभी क्षेत्रीय पदाधिकारीगण एवं कर्मी उक्त प्रभात फेरी पर उपस्थित रहे। फजलगंज स्टेडियम पहुंचने पर पदाधिकारियों द्वारा सभी बच्चों को शराब का सेवन नहीं करने संबंधित शपथ दिलायी गयी। जीविका दीदीयों द्वारा 'महिलाओं की यही पुकार, नशामुक्त हो अपना बिहार" का नारा पंचायतों एवं वार्डों में दिया गया। साथ ही अभिभावकों को शराब नहीं पीने से संबंधित शपथ दिलवायी गयी। पंचायत विभाग के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने पंचायत में शराब का सेवन नहीं करने संबंधित शपथ दिलवायी गयी। कला जत्था के द्वारा नुकड़ नाटक के माध्यम से नशीले पदार्थो और जहरीली शराब या ताड़ी से हुए मौत के पूवोर्दाहरण की जानकारी के साथ-साथ उसके सेवन के अन्य दुष्परिणामों का सम्पूर्ण जिला में बुधवार को पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया। नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं के माध्यम से महिलाओं की यही पुकार, नशामुक्त हो अपना बिहार" अभियान चलाकर शराब, तम्बाकू एवं गुटखा के दुष्प्रभावों से आमजनों को जागरुक करने हेतु बुधवार को प्रचार-प्रसार किया गया। तत्पश्चात प्रातः 10 बजे से नशा मुक्ति दिवस पर डीआरडीए सभागार, सासाराम में नशा मुक्ति दिवस का कार्यक्रम के लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग की व्यवस्था एनआईसी, रोहतास द्वारा प्रस्तारित किया गया। इसमें प्रबुद्ध व्यक्तियों, जीविका दीदीयों, जिला पदाधिकारी रोहतास, डीडीसी रोहतास, जिला शिक्षा पदाधिकारी रोहतास, सहायक आयुक्त मद्य निषेध रोहतास एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण आदि उपस्थित रहे। नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर निबंध लेखन में प्रथम स्थान नंदनी कुमारी, द्वितीय स्थान सोनम कुमारी एवं तृतीय स्थान प्रिति कुमारी, चित्रकला में प्रथम स्थान रिया राज, द्वितीय स्थान पूजा कुमारी, तृतीय स्थान सावनी कुमारी, वाद-विवाद में प्रथम स्थान शब्बा नुरी एवं लक्की कुमार, द्वितीय स्थान श्रेया कुमारी तथा तृतीय स्थान वर्षा कुमारी को नेशनल बुक ट्रस्ट स्वतंत्रता संग्राम व महापुरुषों की जीवनी से संबंधित ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें पुरस्कार स्वरुप जिला पदाधिकारी रोहतास के द्वारा डीआरडीए सभागार में प्रदान किया गया।

पाल समाज ने मनाया संविधान दिवस

काराकाट। बुधवार को नगर पंचायत काराकाट,गोडारी में दिलीप सोनी के नेतृत्व में पाल समाज ने स्थापना दिवस एंव संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें अपने संगठन को मजबूत करने को लेकर उन्होंने संकल्प लिया। अवसर पर संविधान के सम्मान में लोगों भी जागरूक किया। मौके पर अध्यक्ष राजेंद्र पाल,उपाध्यक्ष रमन पाल,सचिव-बबन पाल,उपसचिव रामेश्वर पाल,अमित पाल,धनेश पाल,बसंत पाल,जय बिहारी पाल,नरेश पाल,नितेश पाल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

अवैध देशी रायफल के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

दिनारा। रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि 25 नवंबर की संध्या में आसूचना प्राप्त हुई कि दिनारा थाना क्षेत्र के ग्राम दहिगना में एक व्यक्ति सोनु पांडेय पिता कमलवास पांडेय एक देशी रायफल अपने पास रखे हुए है । जिससे लोगों को डरा-धमका कर अपना वर्चस्व कायम करना चाहते हैं। इस आसूचना पर दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनारा थाना क्षेत्र के ग्राम दहिगना में छापेमारी कर सोनु पांडेय उम्र 32 वर्ष पिता कमलवास पांडेय को एक अवैध देशी रायफल के साथ गिरफ्तार कर लिया । इस कांड में गिरफ्तार अभियुक्त सोनु पांडेय से उनके पास से बरामद देशी रायफल के संबंध में पूछताछ की जा रही है,पूछताछ के उपरांत आये तथ्यों की जांच कर साक्ष्यानुसार अग्रिम कार्रवाई की जायेगी । एसपी ने कहा कि गिरफ्तार सोनु पांडेय के विरूद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम में दिनारा थाना में ही एक कांड दर्ज है एवं इनके अन्य पूर्व के आपराधिक इतिहास के संबंध में जांच की जा रही है ।

लखीसराय का दिल दहला देने वाला हादसा, पारिवारिक विवाद में बेटे ने पिता को मारा, फिर खुद को भी मारी गोली

लखीसराय। लखीसराय जिले के बड़हिया थाना क्षेत्र के खुटहा चेतन टोला गांव में मंगलवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घरेलू विवाद इतना बढ़ गया कि घर के अंदर ही पिताझपुत्र की मौत हो गई और पूरे गांव में मातम छा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव निवासी राम उदय शंकर सिंह के पुत्र विकास कुमार उर्फ नाटो, जो आईटीबीपी का जवान था और फिलहाल छपरा में उसकी ड्यूटी लगी हुई थी, दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। मंगलवार की शाम घर के अंदर उसकी पत्नी के साथ किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर कहासुनी शुरू हो गई।पत्नी और विकास के बीच बढ़ते विवाद की आवाज सुनकर पिता राम उदय शंकर सिंह उन्हें समझाने पहुंचे, लेकिन तभी स्थिति अचानक बेकाबू हो गई। गुस्से में आकर विकास ने अपने पिता पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह खौफनाक घटनाक्रम यहीं नहीं रुका–पिता की हत्या के तुरंत बाद विकास ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

रोहतास जिला में किसानों के लिए यूरिया पर्याप्त मात्रा में है उपलब्ध : डीएम

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिलान्तर्गत पौधे के वृद्धि के लिए एनपीके के साथ-साथ कैल्सियन मैगनिसयम,सल्फर आयरन मैगनिसया, बौरीक, जींक, कॉपर मोलिविडिनम एवं क्लोरिन की नितान्त आवश्यक्ता है। अतः किसान भाईयों एवं बहनों से अनुरोध है कि मिट्टी कि उत्पादकता बनाये रखने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार सुक्ष्म पोषक तत्व भी डालना सुनिश्चित करना चाहिए। रबी 2025झ्र26 हेतु उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। ज्ञातव्य हो कि रोहतास जिला में लगातार युरिया उर्वरक की आपूर्ति विभिन्न उर्वरक कम्पनियों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। रबी वर्ष 2025-26 में उर्वरकों की कुल आवश्यकता यूरिया 59000 एमटी, डीएपी 11500, एमओपी 2000, एनपीके 15500, एसएसपी 5000,

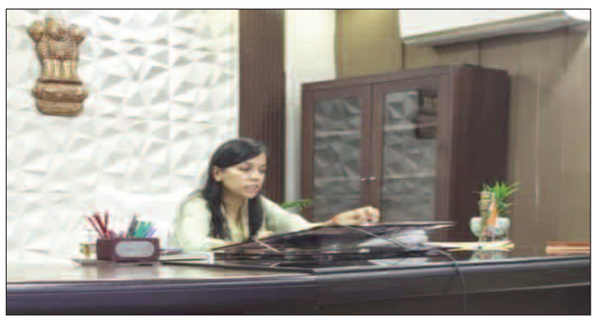

जिसके विरूद्ध यूरिया 24390.615, डीएपी 8164.975, एमओपी 1113.295, एनपीके 14465.025, एसएसपी 11307.72 प्राप्त हो गया है, तथा कुल वितरण यूरिया 13306.500, डीएपी 4326.325, एमओपी 287.250, एनपीके 6747.800, एसएसपी 782.950 एवं दिनांक 26.11.2025 तक अवशेष - यूरिया 11084.12, डी०ए०पी० 3838.65, एमओपी 886.05, एनपीके 7717.23, एसएसपी 10524.77 मैट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है, जिसकी बिक्री निर्धारित मूल्य पर खुदरा उर्वरक बिक्रेता द्वारा बिक्री की जा रही है। साथ ही मिट्टी की उत्पादकता बनाये रखने के लिए अन्य उत्पाद जैसे की सल्फर जाईम, नैनो यूरिया, जिंक एवं अन्य जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि निदेशालय, बिहार सरकार, जिला पदाधिकारी, रोहतास एवं जिला कृषि पदाधिकारी, रोहतास के द्वारा विभिन्न जाँच दलों के द्वारा ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन खुदरा एवं थोक उर्वरक प्रतिष्ठानों पर लगातार छापामारी की जा रही है। कृषि निदेशक, बिहार पटना के पत्रांक 5603 दिनांक 31.10.2025, जिला कृषि पदाधिकारी, रोहतास के पत्रांक 3813 दिनांक 23.10.2025, 3839 दिनांक 24.10.2025, निदेश के आलोक में जिले में सघन छापेमारी की जा रही है। अगर छापेमारी में किसी भी उर्वरक विक्रेताओं द्वारा अनियमितता पाई जाती है या कहीं से अधिक मूल्य पर अगर यूरिया उर्वरक की बिक्री की प्रमाणित / तथ्यगत शिकायत प्राप्त होती है तो उर्वरक जीरो टॉलरेंस निति तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिले में अभी तक कुल 45 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कि जा चुकी है। विभिन्न गठित दलों द्वारा रोहतास जिला अंतर्गत लगातार छापामारी की जा रही है।

उर्वरक की कालाबाजारी की शिकायत जिला कृषि पदाधिकारी, रोहतास के मोबाईल संख्या-9031644282, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सासाराम मोबाईल संख्या 9031644371, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी बिक्रमगंज मोबाईल सं0-9031644371, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी डेहरी मोबाईल संख्या 9431644373 तथा जिला कृषि नियंत्रण कक्ष 9471458498 पर उर्वरक संबंधि कोई भी शिकायत कार्यालय अवधि सुबह 10:30 से 5:00 शाम पूर्व तक दी जा सकती है। रोहतास जिला में यूरिया उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

तीन माह से मानदेय वेतन नहीं मिलने से सफाई कर्मियों में रोष

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन परिसर का साफ सफाई के लिए प्रतिनियुक्त सफाई कर्मियों को तीन माह से मानदेय का भुगतान नहीं मिला है। जिस कारण सफाई कर्मियों में निराशा छाई हुई है. कर्मियों को परिवार का खर्च वहन करने में परेशानी हो रही है। सफाई कर्मी महुअरी गाव निवासी रिता देवी,बरईचा गाव निवासी लिला देवी,ललिता देवी,राजपुर निवासी मंजू देवी ने बताया कि वे पहले से जीवीका में काम करती थी। जो तीन महिना पूर्व उनका नियुक्ति सफाई कर्मी पद पर हुआ है.सुबह नौ से शाम चार बजे तक ड्यूटी करती है। पांच हजार रूपया मानदेय भुगतान मिलने की बात बताते हुए उन्हें इस पद पर बहाल किया गया है। हम सभी लोग शौचालय समेत समुचे

प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय परिसर का प्रतिदिन साफ सफाई करते है। तीन महिना होने को है,लेकिन अभी तक उन्हें कोई भुगतान नहीं प्राप्त हुआ। मामले में जिविका के प्रखंड परियोजना पदाधिकारी सुधांशु तेज गौरव ने बताया कि सफाई कर्मियों की नियुक्ति प्रखंड कार्यालय का जीविका के साथ एक एग्रीमेंट के तहत हुआ है.कर्मियों के मानदेय का भुगतान प्रखंड कार्यालय द्वारा दिया जाना है। मानदेय भुगतान की डिमांड राशि कार्यालय को बहुत पहले भेजी गई है.जिस पर अभी तक कार्रवाई सुनिश्चित नहीं हो पाया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारवासियों को हर प्रकार के नशे से दूर रहने का दिया संदेश

एजेंसी। पटना

बिहार में नशामुक्ति दिवस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे शराब, तम्बाकू और अन्य मादक पदार्थों से दूर रहें। जानें सरकार की योजनाएं और नशामुक्त बिहार बनाने की पहल। हर साल 26 नवंबर को पूरे देश में नशामुक्ति दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेशवासियों को नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि समाज और परिवार को भी प्रभावित करता है। बिहार सरकार लगातार नशामुक्ति

के लिए अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नशे की लत से प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास केंद्र और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। नीतीश कुमार ने कहा कि नशा बच्चों और युवाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। शराब, तम्बाकू और अन्य मादक पदार्थ शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित करते हैं। इसलिए शिक्षकों, अभिभावकों और समाज को बच्चों को नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करना चाहिए।राज्य सरकार ने शराब और मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर नियंत्रण के लिए कई सख्त नियम लागू किए हैं। पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वे नशा तस्करी और अवैध बिक्री पर सख्ती से कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त समाज केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में नशे से दूर रहना होगा और दूसरों को भी प्रेरित करना होगा। यही बिहार को स्वस्थ और खुशहाल बनाने की कुंजी है। नशामुक्ति दिवस का महत्व केवल जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी का प्रतीक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल और सरकार की योजनाओं से बिहार में नशामुक्त समाज बनाने की दिशा में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है।

सीएम नीतीश कुमार ने अधिकारियों से कहा- शेरपुर-दिघवारा परियाजना जल्द करें पूरा

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दानापुर-बिहटा ऐलिवेटेड कॉरिडोर तथा शेरपुर-दिघवारा गंगा पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दानापुर-बिहटा ऐलिवेटेड कॉरिडोर का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से बिहटा से कोईलवर तक यातायात सुगम होगा। पटना शहर को एन0एच0-922 और कोईलवर पुल से जोड़ने में मदद मिलेगी।यह एनएच-922 को रिंग रोड (कन्हौली मोड़) एनएच-139 को एम्स गोलम्बर से जोड़नेवाले एक महत्त्वपूर्ण फीडर कॉरिडोर के रूप में

कार्य करेगा। इस परियोजना के तहत बिहटा अन्तर्राट्रीय हवाई अड्डा के लिये विशेष कनेक्टिविटी मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम लगातार इस परियोजना का निरीक्षण करते रहे हैं और समय-समय पर इसके संबंध में सुझाव देते रहे हैं। कार्य को जल्द से जल्द से पूर्ण करें। मुख्यमंत्री ने शेरपुर-दिघवारा गंगा पुल के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

पटना शहर पर यातायात का बोझ कम होगा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि शेरपुर-दिघवारा परियाजना के पूर्ण होने से पटना शहर पर यातायात का बोझ कम होगा साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था और सुदृढ़ एवं सुगम होगी। उन्होंने कहा कि छपरा, सीवान, गोपालगंज और हाजीपुर की ओर जानेवाले लोगों को अब पटना शहर से होकर गुजरने की आवश्यता नहीं होगी। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से राज्यवासियों को एक जगह से दूसरे जगह जाने का वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा। हम लगातार इसका निरीक्षण करते रहे हैं, जल्द से जल्द इस कार्य को पूर्ण करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर पुदुकलकट्टी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पटना शहर पर यातायात का बोझ कम होगा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि शेरपुर-दिघवारा परियाजना के पूर्ण होने से पटना शहर पर यातायात का बोझ कम होगा साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था और सुदृढ़ एवं सुगम होगी। उन्होंने कहा कि छपरा, सीवान, गोपालगंज और हाजीपुर की ओर जानेवाले लोगों को अब पटना शहर से होकर गुजरने की आवश्यता नहीं होगी। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से राज्यवासियों को एक जगह से दूसरे जगह जाने का वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा। हम लगातार इसका निरीक्षण करते रहे हैं, जल्द से जल्द इस कार्य को पूर्ण करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर पुदुकलकट्टी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

कोडरमा स्टेशन पर जीआरपी की बड़ी कार्रवाई 40 लाख कैश के साथ बिहार का युवक गिरफ्तार

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा में जहां बिहार के एक युवक को जीआरपी ने 40 लाख कैश के साथ पकड़ा है। गया-धनबाद रेलखंड के कोडरमा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने बड़ी कार्रवाई की है। युवक बैग में भारी भरकम कैश लेकर कोलकाता जा रहा था। तभी इस बात की गुप्त सूचना किसी ने जीआरपी को दे दी। जीआरपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्लेटफार्म नंबर 3 पर खड़े युवक को बैग के साथ गिरफ्तार कर लिया। युवक के पास से बरामद बैग से 40 लाख कैश बरामद हुआ। गिरफ्तार युवक की पहचान जमुई के सिकंदरा निवासी सुनील वर्णवाल के 19 वर्षीय पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में युवक ने बताया कि सोने-चांदी के व्यापार के लिए गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस से कोलकाता लेकर जा रहा था। जीआरपी ने अमित कुमार से इस बड़ी रकम के संबंध में आवश्यक कागजात पेश करने को कहा। इस पर युवक ने कागजात प्रस्तुत करने के लिए एक दिन का समय मांगा। बुधवार सुबह जब उसे फिर से कागजात लेकर जीआरपी पोस्ट आने को कहा गया, तब भी वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। अब जब्त की गयी राशि और युवक को इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों को सौंपा जाएगा। आयकर विभाग के अधिकारी पूछताछ करेंगे की इतनी बड़ी रकम वो कहां से ला रहे थे और इसे कहां ले जाया जा रहा था। कैश का स्त्रोत पता लगाया जाएगा। फिलहाल जीआरपी आगे की कार्रवाई में जुटी है।

समस्तीपुर में शिक्षक पर छात्र को पीटने का आरोप, स्टूडेंट का हाथ टूटा, मचा बवाल

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के पटोरी प्रखंड स्थित उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय, शाहपुर उंडी में एक शिक्षक पर छात्र की बेरहमी से पिटाई कर उसका हाथ तोड़ देने का गंभीर आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पीड़ित छात्र कक्षा सात में पढ़ने वाला दिव्यांशु राज है, जिसकी मां ज्योति कुमारी ने इस घटना की शिकायत डीएम, डीईओ, एसडीओ और थाना अध्यक्ष से लिखित रूप में की है। शिकायत के साथ उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ज्योति कुमारी का कहना है कि उनका पुत्र दिव्यांशु 22 नवंबर, रोज की तरह विद्यालय गया था। तीसरी घंटी में शिक्षक अनुराग ने उसे बिना किसी कारण के छड़ी से पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि इसी पिटाई में छात्र का बायां हाथ टूट गया। जब मां जानकारी लेने विद्यालय पहुंची तो अन्य शिक्षकों ने आरोपी शिक्षक का साथ देते हुए मामले को दबाने की कोशिश की। ज्योति कुमारी के अनुसार, उलटे उनसे ही बदसलूकी की गई और विद्यालय से बाहर निकाल दिया गया। पीड़ित की मां द्वारा अधिकारियों को दिए गए आवेदन में यह भी कहा गया है कि स्कूल प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है और पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। वायरल वीडियो में छात्र के हाथ पर प्लास्टर साफ देखा जा सकता है, साथ ही एक्स-रे रिपोर्ट भी मां ने दिखाया है जिसमें फ्रैक्चर की पुष्टि बताई जा रही है। वीडियो में मां रो-रोकर अपने बच्चे पर हुए अत्याचार की आपबीती सुना रही है। इस पूरे मामले में जब आरोपी शिक्षक अनुराग से संपर्क किया गया तो उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु को केवल एक-एक छड़ी मारी गई थी, जो स्कूल अनुशासन के तहत दी जाने वाली हल्की सजा थी। उनका कहना है कि दो छात्राओं ने दिव्यांशु और एक अन्य छात्र पर उन्हें परेशान करने की शिकायत की थी, जिसके बाद उन्हें जांच के लिए कक्षा में भेजा गया था। अनुराग ने दावा किया कि उन्होंने किसी प्रकार की ऐसी पिटाई नहीं की जिससे छात्र का हाथ टूट सकता था। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया है और तनाव के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते वह अस्पताल में भर्ती हैं।

चुनाव हारने के बाद राम की भक्ति में लीन हुए खेसारी लाल यादव, परिवार संग की पूजा-अर्चना

एजेंसी। पटना

भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार खेसारी लाल यादव बिहार चुनाव में भाग्य आजमाने निकले थे लेकिन राजनीति के पहले पड़ाव में उन्हें सफलता नहीं मिली। खेसारी लाल यादव छपरा से विधानसभा का चुनाव हार गये। चुनावी रैलियों में जहां खेसारी लाल यादव कई बार अयोध्या के राम मंदिर को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। उनके हार की एक यह भी वजह बतायी जा रही है कि वो अपने भाषण के दौरान कुछ ऐसा कह गये जो उनके हार का कारण बना। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर रील बनाकर वायरल किया गया था। जिसे छपरा की जनता ने पसंद नहीं किया और अपना फैसला सुना दिया। चुनाव हारने के बाद अब खेसारी लाल यादव अब भगवान राम की भक्ति में डूब गये हैं। अयोध्या के राममंदिर के बारे में कल तक विवादित बयान देने वाले खेसारी लाल यादव आज परिवार के साथ पूजा करते नजर आए। सोशल मीडिया के एक्स

प्लेटफार्म पर उन्होंने भगवान राम, माता सीता और बजरंग बली की पूजा करते वीडियो अपलोड किया है जिसे देखकर लोग भी हैरान हैं। खेसारी लाल अपनी पत्नी और बेटे के साथ भगवान राम की पूजा करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक्स पर जो तस्वीर शेयर की है कि उसमें यह लिखा भी है कि आज विवाह पंचमी के मंगल अवसर पर घर में पूरे परिवार के साथ भगवान श्रीराम, माता सीता और हनुमान जी की पूजा अर्चना की। प्रभु श्रीराम और माता जानकी से यही प्रार्थना कि उनके आशीर्वाद से सबके जीवन में शांति रहे और अयोध्या जी समेत पूरे भारतवर्ष में धर्म-ध्वज यूं ही ऊँचा लहराता रहे। जय जय श्री राम! बता दें कि खेसारी लाल यादव ने यह पोस्ट उस दिन शेयर किया जिस दिन अयोध्या में धर्मध्वज की स्थापना देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा की जा रही थी। सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि बिहार में चुनाव खत्म होने के बाद खेसारी लाल को अयोध्या के राम की यादव आ गयी। कई लोग तो भोजपुरी गायक खेसारी लाल यादव के इस रूप को देखकर हैरान हैं और सोशल मीडिया पर तंज कस रहे हैं।

गांधी मैदान के पास शिफ्ट होगा पटना सदर अंचल कार्यालय

एजेंसी। पटना

पटना सदर अंचल कार्यालय जल्द ही गांधी मैदान स्थित पुराने भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इससे पहले कुम्हरार में अंचल

सह प्रखंड भवन तैयार होने तक दोनों कार्यालय वहीं संचालित हो रहे थे। नए साल से सदर अंचल क्षेत्र के लोगों को कुम्हरार जाने की जरूरत नहीं होगी, जिससे उन्हें काफी सुविधा मिलेगी। पाटलिपुत्र अंचल कार्यालय का अस्थायी भवन राजीवनगर थाने के पास, कपूरी भवन के सामने बनाया जा रहा है। यहां पहले पुराना राजीवनगर थाना संचालित होता था, जिसे तोड़कर अंचल कार्यालय का भवन बनाया जा रहा है। आने वाले दिनों में आशियाना-दीघा रोड पर पाटलिपुत्र अंचल कार्यालय का स्थायी भवन तैयार होगा। सदर अंचल के अलावा दीदारगंज अंचल कार्यालय भी शीघ्र ही सबलपुर में शिफ्ट होगा। इसके लिए दो एकड़ जमीन आवंटित की गई है। पाटलिपुत्र अंचल कार्यालय के लिए आशियाना-दीघा रोड पर आवास बोर्ड की दो एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। अगस्त 2024 में सदर अंचल का कागज पर बंटवारा हो गया था। इसके बाद से करीब 16 महीने तक कुम्हरार स्थित अंचल सह प्रखंड कार्यालय में ही चारों अंचल कार्यरत रहे। अब यह पहल की जा रही है कि संबंधित अंचल क्षेत्र में कार्यालय शिफ्ट किया जाए। साथ ही, पाटलिपुत्र, राजीव नगर, दीघा, आशियाना नगर, जगदेव पथ और अन्य सड़कों का नवनीकरण भी किया जाएगा। कुम्हरार में अब भी पटना सिटी अंचल और सदर प्रखंड कार्यालय संचालित होंगे। इस बदलाव से नागरिकों को अंचल से संबंधित कामों में आसानी होगी और सरकारी सेवाओं तक पहुंच अधिक सहज बनेगी।

पति के अवैध संबंध का विरोध किया तो रचा ली दूसरी शादी, पत्नी को ससुराल ने घर से निकाला

एजेंसी। पटना

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले से एक हैरान करने वाला और संवेदनशील मामला सामने आया है, जिसमें पत्नी को उसके पति और ससुराल वालों द्वारा घर से निकाल दिए जाने का आरोप है। यह घटना इनरवा थाना क्षेत्र के सकरौल गांव की है। पीड़िता राधिका कुमारी ने इस संबंध में महिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। राधिका कुमारी का जन्म गौनाहा के श्रीरामपुर में हुआ था। उन्होंने पांच साल पहले इनरवा थाना क्षेत्र के सकरौल गांव के मुकेश महतो से विवाह किया था। शुरूआत में पति और ससुराल वालों का व्यवहार सामान्य और सुसंस्कृत था, लेकिन चार-पांच महीने के बाद स्थिति बदल गई। राधिका ने बताया कि उसके पति और सास ने उसे लगातार दहेज में गाड़ी और अन्य महंगी वस्तुएँ देने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। जब उसने इसका विरोध किया, तो उसके साथ मारपीट की जाने लगी। समस्या और गंभीर तब हुई जब राधिका को पता चला कि उसके

पति मुकेश महतो का किसी अन्य महिला के साथ अनैतिक संबंध है। इसके विरोध में राधिका ने अपने पति से बातचीत की, लेकिन पति ने उसकी बात नहीं सुनी। इसके उलट, मुकेश महतो ने जेठानी की बहन मीरन देवी के साथ शादी कर ली। इस कदम के बाद राधिका को अपने ससुराल वालों द्वारा घर से बाहर निकाल दिया गया। एफआईआर में राधिका ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसके पति मुकेश महतो, सास नैना देवी, जेठ रमेश महतो, जेठानी किरण देवी और जेठानी की बहन मीरन देवी उसके खिलाफ सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। राधिका ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है और आरोप लगाया है कि इन लोगों ने उसकी जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। महिला थानाध्यक्ष श्यामली कमल ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। छानबीन के बाद दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़िता राधिका को सुरक्षा और न्याय दिलाने के लिए पुलिस पूरी तत्परता से काम कर रही है।

ओमान कंपनी का टेंडर रद्द : पटना-सासाराम फोरलेन निर्माण रुका

एजेंसी। पटना

पटना-सासाराम फोरलेन सड़क के निर्माण में फिलहाल एक बड़ा पेच फंस गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने ओमान की गल्फर इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया टेंडर रद्द कर दिया है। कंपनी ने दोबारा निविदा जारी करने के लिए आवेदन किया है, लेकिन ओमान के गृह मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने के कारण ठेका रद्द करना पड़ा। गल्फर इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी ने ठल्हअक को पत्र लिखकर कहा है कि उसे दस दिनों के भीतर आवश्यक मंजूरी प्राप्त हो जाएगी। ठल्हअकके अधिकारियों के अनुसार,

यदि ओमान की तरफ से दस दिनों में क्लीयरेंस नहीं मिलता है, तो परियोजना के लिए नई निविदा जारी की जाएगी। पटना-सासाराम फोरलेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे का निर्माण 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन मौजूदा पेच के कारण समय पर परियोजना पूरा होना मुश्किल दिख रहा है। NHAI का प्रयास है कि अगले महीने तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर दी जाए और काम शुरू हो सके। इस परियोजना में कुल 3,712.40 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सड़क की लंबाई 120 किलोमीटर होगी और यह फोरलेन हाईवे के रूप में विकसित की जाएगी। पटना से सासाराम तक का सफर वर्तमान में चार घंटे का है, जिसे पूरा होने पर दो घंटे में किया जा सकेगा। पूरा निर्माण दो चरणों में होगा। पहले चरण में पटना से भोजपुर तक 46 किमी सड़क बनाई जाएगी और दूसरे चरण में आरा से सासाराम तक 74 किमी लंबी सड़क का निर्माण होगा। इससे पटना-सासाराम और शाहाबाद के अन्य इलाकों तक यात्रा आसान होगी। इसके अलावा, अरवल जिले और जीटी रोड से कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे पटना से बनारस और उससे आगे आने-जाने का नया विकल्प मिलेगा। ठल्हअक के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि फिलहाल ओमान की कंपनी को अपने देश से काम करने की मंजूरी नहीं मिली है। कंपनी ने दोबारा आवेदन दिया है और दस दिनों में क्लीयरेंस मिलने की उम्मीद जताई है। यदि मंजूरी नहीं मिली, तो नई निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बिहार में कोल्ड अटैक! अगले चार दिनों तक पारा गिरेगा, कोहरा

एजेंसी। पटना

बिहार में एक बार फिर ठंड अपना असर दिखाने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक राज्य के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे शीतलहर जैसी स्थिति भी बन सकती है। शुरूआती सुबह और देर रात के समय ठंड में स्पष्ट वृद्धि महसूस होगी। मौसम विशेषज्ञों ने आने वाले दो दिनों तक राज्य के एक-दो जिलों में हल्के से मध्यम स्तर तक कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है, हालांकि तापमान में गिरावट के बावजूद मौसम में कोई बड़ा बदलाव फिलहाल अपेक्षित नहीं है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई, जबकि कई शहरों में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोत्तरी देखी गई। पूरे प्रदेश में न्यूनतम तापमान 11°C से 17.6°C और अधिकतम 25°C से 29त्ल के बीच रिकॉर्ड किया गया। किशनगंज का अधिकतम तापमान 29त्ल रहा, जो राज्य में सबसे ऊंचा था, वहीं औरंगाबाद व राजगीर का न्यूनतम तापमान 11त्ल दर्ज किया गया, जो सबसे कम रहा। पूर्णिया में दृश्यता घटकर 600 मीटर तक पहुंच गई, जिससे सुबह के समय वाहनों की रफ्तार कम करने की सलाह दी गई है। राजधानी पटना में बुधवार को आसमान साफ रहने की संभावना है।

सुभाषितम्

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

वैश्विक आर्थिक मंदी की आहट

2026 की शुरुआत मे वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतीपूर्ण संकेत मिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, बाजार विश्लेषकों और दुनिया भर की सभी केंद्रीय बैंकों ने चेतावनी दी है, कि दुनिया एक व्यापक आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रही है। कई देशों में उत्पादन, निवेश और उपभोक्ता खर्च में भारी कमी देखने को मिल रही है, जिसे वैश्विक आर्थिक मंदी की शुरूआती संकेत माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, 2025 के अंत से शुरू हुई आर्थिक मंदी 2026 में और गहरी हो सकती है। अमेरिका और यूरोप जैसी विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं में उद्योग उत्पादन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अमेरिकी बाजार में नौकरी के अवसर 18 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। वहीं यूरोप में ऊर्जा की कीमतें और महंगाईदर उपभोक्ता खर्च को बढ़ा रही हैं। जिसके कारण यूरोप में भी लगातार मांग घटती चली जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है, अगर ब्याज दरों में राहत नहीं मिली, तो स्थिति तेजी के साथ बिगड़ सकती है। एशियाई देशों में भी हालात बेहतर नहीं हैं। चीन की आर्थिक सुस्ती का असर पूरी दुनिया की सप्लाई चेन पर पड़ रहा है। चीन के रियल-स्टेट और विनिर्माण क्षेत्र की कमजोरी ने वैश्विक व्यापार को धीमा कर दिया है। दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में निर्यात कम होने से विनिर्माण गतिविधियाँ प्रभावित हुई हैं। जापान और दक्षिण कोरिया में भी आर्थिक विकासदर ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच गई है। भारत मे भी वैश्विक मंदी का दबाव दिखने लगा है। हालांकि भारत की घरेलू मांग स्थिर बनी हुई है। लेकिन निर्यात में डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट, विदेशी निवेश में कमी, विदेशी निवेशकों का सावधानी का रुख भरतीय अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। आईटी, वस्त्र, ऑटो कंपोनेंट और फार्मा जैसे प्रमुख निर्यात क्षेत्रों मे विदेशी मांग में कमी देखी जा रही है। कृषि क्षेत्र में वैश्विक कमोडिटी की कीमतों के उतार-चढ़ाव ने अनिश्चितता को ओर बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, अगर यह स्थिति कुछ माह और देखने को मिली, तो रोजगार और छोटे उद्योगों पर इसका बड़ा असर पड़ना तय है। वित्तीय बाजारों की हलचल तेज हो रही है। शेयर बाजारों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भी भारी गिरावट देखी जा रही है। निवेशकों का भरोसा क्रिप्टोकरेंसी और शेयर बाजार में कमजोर हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, वैश्विक मंदी का असर कम करने के लिए दुनिया के सभी देशों को नीतिगत सहयोग और समन्वय बनाने की जरूरत होगी। ग्रीन एनर्जी, तकनीकी नवाचार और वैकल्पिक सप्लाई चेन में निवेश से अर्थव्यवस्था को फौरी तौर पर कुछ राहत मिल सकती है। इस समय दुनिया के अर्थशास्त्रियों की निगाहें प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंकों और उनके द्वारा अगले कौन से कदम उठाए जाएंगे इस पर टिकी हैं। जिस तरह से दुनिया के सभी देशों में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है, अमेरिका ने जिस तरह के टेरिफ वार की शुरूआत की है उसके बाद अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया भर के देशों में अनिश्चितता बढ़ी है। दुनियाभर के सभी देशों के ऊपर कर्ज का भार पिछले एक दशक में तेजी के साथ बढ़ा है। सरकारी खजाने की बड़ी रकम कर्ज की अदाएगी और ब्याज में जा रही है। पिछले एक दशक में दुनियाभर के देशों के नागरिकों पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। आय मे कमी आई है। महंगाई के कारण आम आदमी की मांग घट रही है, जिसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इस बात की आशंका आर्थिक विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं खुलकर कहने लगी हैं। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार 2026 आर्थिक मंदी का साल होगा। इसमें शेयर बाजारों में भी भारी उथल-पुथल होगी। इसका असर वैश्विक स्तर पर पडना तय है।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

हिंदी में शपथ: नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक

- ललित गर्ग

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है। भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औजार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरूआत कर रही हैं। हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है,इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरूआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है। हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है।

अभिजीत मुहूर्त में ध्वजारोहण पुरातन संस्कृति

- कांतिलाल मांडोत

भारत की आध्यात्मिकता, परंपरा और सांस्कृतिक वैभव का ऐसा विराट रूप कम ही देखने को मिलता है, जैसा कि अभिजीत मुहूर्त में आयोजित ध्वजारोहण समारोह के दौरान दिखाई दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा धर्मध्वजा का सामूहिक आरोहण केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं था, बल्कि यह भारत की सनातन पहचान, उसकी सांस्कृतिक जड़ों और अडिग आस्था का भव्य उद्घोष भी था। शहर को फूलों से सुसज्जित कर जब यह आयोजन सम्पन्न हुआ तो ऐसा लगा मानो पूरा वातावरण भक्ति, उल्लास और राष्ट्रभाव से सराबोर हो उठा हो। अभिजीत मुहूर्त में ध्वजारोहण आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक है ।हिंदू धर्मशास्त्रों में अभिजीत मुहूर्त को अत्यंत शुभ माना गया है। इस मुहूर्त में किया गया कार्य सफल, स्थायी और कल्याणकारी माना जाता है। इसी पावन बेला में प्रधानमंत्री मोदी और मोहन भागवत द्वारा धर्मध्वजा का आरोहण भारतीयों के लिए गर्व का क्षण था ।धर्मध्वजा केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि यह सत्य, धर्म और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है। इस ध्वजारोहण के साथ ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीय संस्कृति के गौरव का स्वर पुनः आकाश में गूंज उठा है ।मोदी और भागवत का संयुक्त आयोजन संदेशों से भरा ऐतिहासिक क्षण था। प्रधानमंत्री मोदी और सर संघचालक मोहन भागवत की एक साथ उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक ऐतिहासिक बना दिया। मोदी ने कहा कि सत्य की ही जीत होती है ।यह संदेश आज के समय में समाज को दिशा देने वाला है ।भागवत ने कहा कि जिन्होंने आंदोलन में प्राण अर्पित किए, आज उनकी आत्मा तृप्त हुई है ।यह वक्तव्य उन बलिदानियों को समर्पित था, जिन्होंने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित किया ।दोनों नेताओं के वक्तव्यों ने इस आयोजन को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक चेतना से जोड़ दिया। एक किमी से अधिक लम्बा भव्य रोड शो भारतीय संस्कृति का सजीव प्रदर्शन था ।ध्वजारोहण से पहले हुआ लगभग 1 किलोमीटर का विशाल रोड शो अपने आप में एक आकर्षक दृश्य था। लाखों लोगों की भीड़, हाथों में ध्वज, शंखध्वनि, ढोल-नगाड़ों की गूंज, और भक्ति गीतों की धुनें पूरे वातावरण को उत्सव में बदल रही थीं ।देश और दुनिया ने भारतीय संस्कृति की एक जीवंत झलक देखी गई। पारंपरिक वाद्ययंत्र, लोककलाओं का प्रदर्शन, रंग-बिरंगे पुष्पों से सजा मार्ग,महिला समूहों की कलात्मक प्रस्तुतियाँ शहर भक्तिमय वातावरण में दिखाई दिया ।ये दृश्य न केवल उत्सव का हिस्सा थे, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रतिबिम्ब भी थे। शहर में फूलों की वर्षा और सजावट भक्ति का अद्भुत वातावरण निर्मित किया। पूरे शहर को मानो एक विशाल मंदिर में बदल दिया गया हो। मुख्य मार्गों पर गेंदा, गुलाब, कमल और रजनीगंधा के फूलों की झालरें लटकाई गई थीं। ध्वजारोहण के समय आसमान से पुष्पवर्षा ने हर भक्त के चेहरे पर अलग ही आनंद भर दिया। भक्तों के चेहरे खिल उठे ।ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे वर्षों का इंतजार इस क्षण में पूरा हो गया हो ।भक्तों के जयकारों, मंत्रोच्चार और भक्ति भाव ने इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। पैराशूट नायलॉन की विशेष ध्वजा बनाई गई। आधुनिक तकनीक और परंपरा का समन्वय इस ऐतिहासिक अवसर पर जिस विशेष धर्मध्वजा का आरोहण किया गया, वह पैराशूट नायलॉन से निर्मित थी। यह ध्वजा मौसम-प्रतिरोधी, अत्यधिक टिकाऊ,और लंबे समय तक सुरक्षित रहने वाली है। पुरातन सांस्कृतिक ध्वजा को आधुनिक तकनीक की मजबूती के साथ जोड़कर एक नया संदेश दिया गया है ।परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चल सकती है ।देश की चेतना को जगाने वाले विचार है। जोकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश है कि सत्य की विजय असत्य की हार हुई है। मोदी का वक्तव्य अपने आप में एक आध्यात्मिक और राजनीतिक दृष्टि का समन्वय था ।उन्होंने कहा कि सत्य हमेशा विजयी होता है और यह वाक्य धर्मध्वजा के सार को व्यक्त करता है। मोहन भागवत का संदेश है कि इस धर्मध्वजा से हृबलिदानों की आत्मा तृप्तह्न हो गई है ।जिन्होंने इतने वर्षों के लिए संघर्ष किया ।राममंदिर बनाने का संकल्प जीते जी पूर्ण नही हुआ ।वे आत्मा धर्मध्वजा के बाद तृप्त हो गई होगी ।भागवत ने उन सभी महान लोगों को नमन किया जिन्होंने संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्र के लिए बलिदान दिए ।इस आयोजन ने मानो उनके त्याग को स्मरण करने का अवसर दिया ।योगी आदित्यनाथ का संदेश था कि अडिग आस्था की विजय हुई है। योगी ने कहा कि यह आस्था का प्रतीक है ।जो न कभी झुकी, न टूटी, न डिगी ।उन्होंने इस आयोजन को भारत की आध्यात्मिक शक्ति का प्रमाण बताया। संतों का आगमन हुआ और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला ।देशभर से हजारों संतों, महंतों और धमार्चार्यों का आगमन इस आयोजन को और अधिक पावन बना गया ।उनके आगमन से वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ ।अलग-अलग अखाड़ों, परंपराओं और मतों के संत एक ही मंच पर उपस्थित हुए ।यह भारतीय आध्यात्मिक एकता की अनूठी मिसाल थी। संतों ने ध्वजारोहण को धर्म, भारत और सनातन संस्कृति की विजय बताया ।आयोजन का सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व है ।यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं था। इससे समाज को कई महत्वपूर्ण संदेश मिले है। भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का संकेत भी दिखाई दिया ।युवा पीढ़ी के लिए परंपरा को समझने का अवसर मिलाऔर युवाओ का भक्ती भाव बढ़ता दिखाई दिया ।सामाजिक एकता और सद्भाव का वातावरण निर्मित हुआ है।

ज्ञान रूपी सूर्य का पर्याय आचार्य भगवान तारण स्वामी

- बा.ब्र. रचना बहन जी

अध्यात्म जगत की गहराइयों को संस्पर्शित करने वाली सोलहवीं शताब्दी में जैन जगत को आलोकित करने वाले ज्ञान सूर्य का उदय हुआ। जिनका नाम था आचार्य भगवन तारण स्वामी। जो आगे चलकर 151 मण्डलों के आचार्य होने के कारण मण्डलाचार्य पद से सुशोभित हुये। अतः उनका पूरा नाम पड़ा कर श्रीमद जिन तारण तरण मण्डलाचार्य जी महाराज। संवत 1505 सन 1448 को बुन्देलखण्ड की धरा निश्चित ही धन्य हो गई जब पुरातात्विक नगरी पुष्पावती बिलहरी, जिला कटनी (म.प्र.) में पिता श्रीमान दीवान गढाशाह एवं माता बीर श्री देवी जी के घर तारण स्वामी जी का जन्म हुआ। आप जन्म से ही तीक्ष्ण बुध्दि के साथ प्रज्ञावान होने के कारण माता पिता एवं गुरूजनों द्वारा दी गई शिक्षा को सहज ही ग्रहण कर प्रतिभा सम्पन्न हो गये। आपको 11 वर्ष की अल्प आयु में ही सम्यक दर्शन की आत्मानुभूति हो गई और आप स्वभाव साधना में मग्न रहने लगे। 21 वर्ष के होते होते उन्होंने बाल ब्रम्हचर्य व्रत धारण कर लिया। तारण स्वामी ने अपनी साधना में अनंत सुख अनंत शांति का जो अनुभव किया उसे जन जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने सूखा निसई जी (पथरिया) जिला दमोह में धर्म प्रभावना का केन्द्र बनाया। जहां से अनेकानेक जीवों में श्रमण संस्कृति के संस्कारों को धारण कर संसार के दुःखों के छूटने का मार्ग बनाया। आपने लोगों को संसार, शरीर, भोगों से होने वाले दुःखों का बोध कराया एवं आत्मा के अनंत सुख को प्राप्त करने की कला सिखाई। मोक्ष निर्वाण को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया। जिससे एक नये समाज का जन्म हुआ, लोगों को नया पंथ मिला। जिसे आज तारण पंथ के नाम से जाना जाता है। तारण समाज के अनुयायी ग्रंथों के अध्ययन द्वारा ज्ञान प्राप्त कर आत्मा का अनुभव करने की कोशिश करते हैं। एक नये पंथ की स्थापना! वह भी ऐसा पंथ जो धार्मिक रूढिवादिता को तोडता हो, धर्म के नाम पर हो रहे आंडम्बर को नकारते हुए ज्ञानमार्गी और स्वआत्म चिंतन को प्रदिपादित करता हो, उस समय के धार्मिक कट्टरता के प्रति एक क्रांति थी। लिहाजा जो क्रांति को कुचलने के प्रयास होते आये हैं, जो उपसर्ग तीर्थंकरों के प्रति हुए वो सभी उपसर्ग तारण स्वामी के प्रति भी हुए, पर अपनी साधना तप से से स्वसिध्द तारण स्वामी पर इन उपसर्गो का तनिक असर नही हुआ। जब उन्हें क्षलपूर्वक बेतवा नदी में तीन बार डुबोकर समाप्त करने के प्रयास हुए तो उन तीनों स्थानों पर स्वमेव टापू उभर आये। आचार्य भगवन तारण स्वामी जी ने पांच भागों में चौदह ग्रंथों की रचना की। जो लगभग दस हजार श्लोक प्रमान हैं। जिनमें श्रावक की 18 क्रियाओं से लेकर साधु के 28 मूल गुणों तक का वर्णन किया है। जो जन-जन को आचार विचार की शुद्धि से लेकर मोक्षमार्गी साधु के लिए जीवनोपयोगी है। जिसमें षट् कमल (गुप्त कमल, नाभि कमल, हृदय कमल, कंण्ठ कमल, मुख कमल और विंद कमल) की साधना का विधान बताया है जो उन्होंने स्वयं सिध्द किये, जिससे उन्हें आंशिक अवधि ज्ञान का जागरण हुआ, जिसके बल से आपको भगवान महावीर स्वामी के समवशरण का प्रत्यक्ष भान हुआ। जिसका स्पष्ट वर्णन 14 ग्रंथों में मिलता है। जैसे राजा श्रेणिक द्वारा पूछे गये प्रश्नों का संकलन आदि।

आज का राशिफल

मेष मिलने के योग बन रहे हैं। जीविका के क्षेत्र में किए गए प्रयास अब धीरे-धीरे फलीभूत होंगे।

तुला आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक प्रयास सफल होंगे।

वृषभ जीवन सुखमय रहेगा। वृष राशि के जातकों के लिए धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं।

वृश्चिक ऋण से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन आज का दिन पराक्रम को बढ़ा रहा है। धन और ऐश्वर्य की वृद्धि से कुछ शत्रु ईर्ष्या करेंगे।

धनु आज गुप्त शत्रु और ईर्ष्यालु साथियों से आज के दिन आपको सतर्क रहना होगा।

कर्क आज आपके कोष भाव में संचार कर रहा है, जिससे कुछ अन्तर्विरोध उत्पन्न हो सकते हैं।

मकर रोजगार में सफलता दिलाएगा। मकर राशि के लोग को इस दौरान उपहार और सम्मान प्राप्त होंगे।

सिंह आज अभीष्ट सिद्धि का कारक बन रहा है। इस दौरान आपके गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

कुंभ आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या आर्थिक दिशा में किए गए आपके प्रयास सफल रहेंगे और लाभ प्राप्त होगा।

मीन आज का दिन विजय का संकेत दे रहा है। पुराने झगड़े और समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

विशेष

राहुल गांधी पर शनि की छाया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कर्नाटक बड़ा मुसीबत बना हुआ है। खड़गे स्वयं कर्नाटक से आते हैं। वहां के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच में जब से सरकार बनी है। तभी से दोनों में मुख्यमंत्री पद को लेकर रार देखने को मिल रही है। डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की जिद पर आ गए हैं। वहीं मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। भाजपा इस झगड़े को बढ़ाने आग में घी डालने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। राहुल गांधी की कुंडली में लगता है, शनि की छाया है। जो मेहनत ज्यादा कराती है, फल कम देती है। हर मोर्चे पर राहुल गांधी को लगातार लड़ना पड़ता है। जिस तरह की वह लड़ाई लड़ते हैं। उसका प्रतिफल बहुत कम प्राप्त होता है। इस तरह की चर्चा होने लगी है।

सम्राट बनेंगे बीजेपी के सीएम

बिहार में सम्राट चौधरी का भाग्य सबसे ज्यादा प्रबल है। चुनाव के दौरान उनके ऊपर सबसे ज्यादा आरोप तथ्यों के साथ लगाए गए। इसके बाद भी वह चुनाव जीत गए। उपमुख्यमंत्री भी बन गए हैं। हत्या का मामला उनके खिलाफ चल रहा है। इसके बाद भी उनका भाग्य बहुत प्रबल है। राहु-केतु और शनि भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये। माना जा रहा है, जल्द ही वह भाजपा के मुख्यमंत्री बिहार में बनने जा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा और जद में झगड़ा शुरू हो गया है। केंद्रीय हाईकमान पहले ही बोल चुका है। सम्राट चौधरी को बहुत बड़ा आदमी बनाएंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद ही वह बड़े आदमी बन सकते हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1731: इंग्लैंड में समुद्री तूफान से आठ हजार से अधिक लोग मारे गए। 1788: मुंबई में जोसेफ लिन ने गुब्बारे में 2286 मीटर की उंचाई तक उड़ान भर कर रिकार्ड बनाया। 1879: फ्रांसीसी संसद को वाईसाई से पेरिस स्थानांतरित किया गया। 1919 बल्गारिया ने प्रथम विश्वयुद्ध के शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए 1926: जावा/इंडोनेशिया में कम्युनिस्ट विद्रोह हुआ। 1940: द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने फ्रांस के लोरेन प्रांत पर कब्जा किया। 1961: सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षणों पर तुरंत प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया। 1962: ब्रिटेन ने भारत को हथियार देने की पेशकश की। 1966: चीन को सदस्यता देने के सवाल पर राष्ट्र संघ में बहस हुई। 1969: दक्षिण यमन ने बड़े पैमाने पर राष्ट्रीयकरण कार्यक्रम की घोषणा की।

दैनिक पंचांग

27 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2025 वर्ष का 331 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 02.32 बजे रात्र को समाप्त।
योग ध्रुव 12.09 बजे को समाप्त।
करण गर 12.22 बजे तदनन्तर वणिज 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 6.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 08'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872541
जूलियन दिन 2461006.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 05

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.52 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	09.57 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.44 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.17 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.47 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.55 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	कन्या	01.07 बजे से
		तुला	03.18 बजे से
		वृश्चिक	05.32 ब.से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

रोहड़ाबांध के 332 आवासों से हटेगा अतिक्रमण

धनबाद, एजेंसी। एफसीआइ के रोहड़ाबांध स्थित विभिन्न श्रेणी के आवासों में अवैध ढंग से रह रहे लोगों को हटाने का रास्ता साफ हो गया है। कब्जाधारियों के खिलाफ पीपी कोर्ट ने बेदखली का आदेश पारित किया है। सोमवार को एफसीआइ के वित्तीय एवं प्रशासनिक सलाहकार देवदास अधिकारी ने बताया कि पीपी कोर्ट ने पिछले तीन दिनों में रोहराबांध क्षेत्र के विभिन्न श्रेणी के आवासों में अवैध रूप से रह रहे 332 कब्जा धारकों के मामले की सुनवाई की। पीपी कोर्ट में सुनवाई के दौरान तीन दिनों में कुल 77 लोग हाजिर हुए। इन लोगों ने अपने-अपने आवास के आवंटन की गुहार न्यायालय से लगायी, परंतु आदेश के बावजूद एक भी नोटिस धारक ने आवास आवंटन का लिखित आवेदन पत्र न्यायालय को नहीं सौंपा। देवदास अधिकारी ने बताया कि पीपी कोर्ट ने सभी 332 नोटिस धारकों का इविक्शन ऑर्डर पारित कर दिया है। उन्होंने बताया कि सिंदरी खाद प्रबंधन न्यायालय के निर्णय की जानकारी एफसीआइ के नयी दिल्ली स्थित उच्च प्रबंधन को भेजेगा। अब कब्जा हटाने पर एफसीआइ के सीएमडी निर्णय लेंगे। श्री अधिकारी ने बताया कि एफसीआइ प्रबंधन प्रशासन के सहयोग से अनधिकृत तौर पर रह रहे लोगों को आवास से बेदखल करेगा। फिलहाल पीपी कोर्ट के इविक्शन ऑर्डर से रोहराबांध क्षेत्र के लोगों की चिंता बढ़ गयी है।

प्रेमी के साथ शराब पी रही थी महिला, तभी आ धमके 9 युवक, बारी-बारी से किया दुष्कर्म

पाकुड़, एजेंसी। नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम आदिवासी युवकों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंच मामले की जांच की और त्वरित कार्रवाई करते हुए नौ युवकों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ चल रही है। पीड़िता ने नगर थाना में प्राथमिकी कराई है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी रात में ही नगर थाना पहुंच मामले की जानकारी ली। सदर अस्पताल पहुंच पीड़िता से जानकारी प्राप्त की। बताया जा रहा है कि महिला अपने प्रेमी के साथ नगर थाना क्षेत्र के एक आम बगान गई थी। बगान में दोनों ने मिलकर शराब का सेवन किया।इसी बीच आसपास के कुछ आदिवासी युवकों की नजर महिला पर पड़ी। सभी युवक महिला के पास पहुंचे और उसके प्रेमी की पिटाई कर भगा दिया। प्रेमी डर से भाग निकला। इसके बाद आदिवासी युवकों ने बारी-बारी से महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी युवक फरार हो गए।पुलिस तुरंत घटना स्थल पर पहुंच मामले की जांच की। पीड़िता से घटना की जानकारी लेते हुए सभी युवकों को पकड़ लिया। पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। प्राथमिकी कर हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ की जा रही है।नगर थाना पुलिस ने बताया कि महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। प्राथमिकी कर ली गई है। आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

नहीं देखा होगा ऐसा वीडियो, इतनी बड़ी मछली को निगल गया यह पक्षी, ट्रेंड कर रहा वीडियो

रांची, एजेंसी। जंगल, जंगली जानवरों और पक्षियों के वीडियो सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होते रहते हैं। ऐसा ही एक वीडियो फिलहाल ट्रेंड कर रहा है। इसमें दिख रहा है कि एक पक्षी अपने सिर के साइज से भी काफी बड़ी मछली को निगल रहा है। मछली का साइज पक्षी के सिर से भी काफी बड़ा है, इसके बाद भी इस पक्षी ने पूरी की पूरी मछली को निगल लिया। वीडियो देख कर सोशल मीडिया पर यूजर्स हैरान हैं। वीडियो को अब तक 1 लाख 27 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो के कैप्शन पर लिखा है 'पक्षी अपने सिर से बड़ी और शरीर की लंबाई के बराबर मछली निगल लिया।'इस वायरल वीडियो को @AMAZINGNATURE के आईडी से शेयर किया गया है। इसमें दिख रहा है कि पानी के अंदर से एक पक्षी ने बड़ी सी मछली को बाहर निकाला और उसे साबुत निगलने लगा। मछली की साइज काफी बड़ी होने के कारण ऐसा दिख रहा कि पक्षी को इसे निगलने में काफी परेशानी हो रही है, लेकिन आखिरकार वो इतनी बड़ी मछली को खा ही लिया।वीडियो सोशल मीडिया पर सभी को हैरान कर रहा है। इंटरनेट पर यह तेजी से ट्रेंड कर रहा है। अपलोड करने के महज कुछ ही घंटों में वीडियो को करीब एक लाख 30 हजार लोगों ने देख लिया है। करीब दो हजार लोगों ने इस लाइक किया है। कई यूजर्स ने वीडियो पर कमेंट किया है। कुछ लोगों ने दूसरे वीडियो अपलोड कर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।एक यूजर ने लिखा महत्वाकांक्षा और भूख की सभी सीमाओं को चुनौती देने वाला एक साहसिक घूंट। एक और यूजर ने लिखा 'आकार मायने नहीं रखता, दोपहर का भोजन तो दोपहर का भोजन ही है।' एक और यूजर ने तो यहां तक लिख दिया 'दुनिया के 7 अजूबों में एक और नाम जुड़ गया।

विवि बोला- स्थायी वीसी नहीं, इसलिए बढ़ा शुल्क नहीं हो सकता वापस

रांची, एजेंसी। रांची डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में तीन साल पहले बढ़ाए गए कॉमर्स विभाग के शुल्क के विरोध में छात्रों की ओर से चल रहा तालाबंदी आंदोलन मंगलवार को छठे दिन समाप्त हो गया। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली घटना रही, जब छात्रों के आंदोलन के कारण लगातार पांच दिनों तक शैक्षणिक (कुछ कक्षाओं के छोड़कर) और प्रशासनिक कार्य पूरी तरह ठप रहे। मंगलवार को विवि अधिकारियों और छात्र संगठनों के बीच हुई लंबी वार्ता के बाद आंदोलन समाप्त हो गया है।

छात्रों के आंदोलन के चलते कैंपस में शिक्षण, प्रशासनिक कार्य और दैनिक गतिविधियों को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। प्रदर्शनकारियों और विवि अधिकारियों के बीच वार्ता के लिए एक मंच पर लाने में कॉमर्स के कोऑर्डिनेटर डॉ। एन। साहू की पहल निर्णायक रही। बातचीत में डीएसडब्ल्यू डॉ। सर्वोत्तम कुमार, रजिस्ट्रार डॉ। धनंजय कुमार वासुदेव द्विवेदी, प्रॉक्टर डॉ। राजेश कुमार सिंह और भूगोल विभागाध्यक्ष

डॉ। अभय कृष्ण शामिल हुए। छात्र पक्ष से आदिवासी छात्र संघ के दया बहुरा, सुनील सोरेन, वसीम अंसारी, अमृत मुंडा, सोनू टाटी, राकेश रोशन तथा आईसा की ओर से शालिनी, कुमार विजय और सोनाली केवट उपस्थित रहीं। इसके अलावा एनएसयूआई और राजद छात्र संगठन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

आंदोलन और तालाबंदी के बाद भी 70% छात्रों ने प्रदर्शनकारियों की बात नहीं मानते हुए एग्जाम फार्म भर दिया है। वीसी की स्थायी नियुक्ति के बाद होगा विचार विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि तीन साल पहले बढ़ा शुल्क अभी वापस लेना संभव नहीं है। क्योंकि विश्वविद्यालयों में अभी परमानेंट वीसी नहीं है। कुलपति पद पर नियमित नियुक्ति के बाद इस प्रस्ताव पर प्राथमिकता से विचार किया जाएगा। शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति के बाद कॉमर्स विषय वोकेशनल की जगह रेगुलर कोर्स होगा। इसमें काफी छात्र भी हैं। कक्षाओं की कमी और स्मार्ट क्लास की सुविधा कॉमर्स विभाग में छात्रों की संख्या अधिक होने के बावजूद पर्याप्त कक्षाओं का अभाव एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। नए कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी और स्मार्ट बोर्ड लगाने के लिए शीघ्र प्रोसेस शुरू किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में छात्रों की अन्य बेसिक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएंगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय में पढ़ाई सुचारु रूप से चलाने पर भी बात होगी। छात्राओं को शुल्क राहत के लिए बनेगी कमेटी छात्रों की प्रमुख मांगों में एससी, एसटी, ओबीसी सहित सभी वर्गों की छात्राओं को शुल्क में 50 प्रतिशत छूट देना शामिल था। इस पर प्रशासन ने कहा कि इस मांग का परीक्षण करने के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी।

कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही इस मामले पर कोई निर्णय ले सकता है। अपडेट शुल्क वेबसाइट पर होगा अपलोड छात्रों की शिकायत थी कि यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर अद्यतन शुल्क विवरण उपलब्ध नहीं है। इस पर अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि अपडेटेड शुल्क संरचना वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी, जिससे छात्रों में भ्रम की स्थिति न रहे। समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और कड़ा किया जाएगा। विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस मामले पर तुरंत कोई निर्णय करने को कहा है।

सेवा का अधिकार सप्ताह के चौथे दिन शिविरों में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

धनबाद, एजेंसी। जिले में चल रहे सेवा का अधिकार सप्ताह के चौथे दिन सोमवार को सभी प्रखंडों व नगर निकायों में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को एक ही मंच पर सरकारी सेवाओं व योजनाओं का लाभ दिलाया गया। शिविरों में जानकारी देने से लेकर दस्तावेज उपलब्ध कराने तक कई कार्य मौके पर ही पूरे किये गये। उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि सोमवार को आयोजित शिविरों में कुल 9827 आवेदन प्राप्त हुए।

इनमें जाति प्रमाण पत्र के 237, आय प्रमाण पत्र 172, जन्म प्रमाण पत्र 151, मृत्यु प्रमाण पत्र 37, दाखिल-खारिज 81, जमीन मापी 11, भूमि धारण प्रमाण पत्र 24, नया राशन कार्ड 1025, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र 154, वृद्धा पेंशन 609, विधवा पेंशन 62, दिव्यांग पेंशन 38, धोती-साड़ी, लूंगी योजना के 341, सेवा गारंटी अधिनियम के 203 तथा विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के 6682 आवेदन शामिल हैं।

शिविर में 893 आवेदनों का तत्काल निष्पादन किया गया। इनमें 70 जाति प्रमाण पत्र, 47 आय प्रमाण पत्र, 38 जन्म प्रमाण पत्र, 10 मृत्यु प्रमाण पत्र, सात दाखिल-खारिज, 32 नये राशन कार्ड, 53 स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, 54 वृद्धा पेंशन, छह विधवा पेंशन, तीन दिव्यांग पेंशन, 108 धोती-साड़ी-लूंगी, 161 सेवा गारंटी अधिनियम तथा अन्य 304 योजनाओं के आवेदन निपटाये गये।

शिविरों में लाभुकों के बीच साइकिल व प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इसमें 41 को लेमिनेटेड जाति प्रमाण पत्र, 1028 स्वयं सहायता समूह/क्लस्टर सदस्य को पहचान-पत्र, 50 को साइकिल और 1832 लाभुकों को स्वेटर प्रदान किये गये। सभी प्रखंडों के बीडीओ-सीओ एवं विभागीय टीम शिविरों में उपस्थित रहे और लोगों की समस्याओं का समाधान किया।

झारखंड को सक्षम और समृद्ध बनाने का लक्ष्य : मुख्य सचिव

रांची, एजेंसी। देश की राजधानी में आयोजित 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में सांस्कृतिक विरासत और क्रिएटिव इकोनॉमी के उत्सव के साथ मंगलवार को झारखंड दिवस समारोह मनाया गया। अपरिहार्य कारण से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शरीक नहीं हो सके। राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने प्रदेश की समृद्ध परंपराओं, आदिवासी सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की इस प्रस्तुति को विशेष रूप से सराहा। कहा कि झारखंड सरकार राज्य को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य झारखंड को एक सक्षम, समृद्ध और भविष्य-उन्मुख राज्य के रूप में स्थापित करना है। नाट्यशाला थिएटर में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में झारखंड के लोक कलाकारों ने पारंपरिक छऊ, नागपुरी व पाइका नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में झारखंड पवेलियन का रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि झारखंड की औद्योगिक क्षमताओं, एमएसएमई उत्कृष्टता और आदिवासी कला रूपों का प्रभावशाली प्रदर्शन काफी सराहनीय है। संजय सेठ ने अधिकारियों, उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स और कारीगरों से बातचीत भी की।

झारखंड हाई कोर्ट का बड़ा आदेश, डॉक्टर की पर्ची के बिना कफ सीरप की न हो बिक्री

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने राज्य में कफ सीरप और नशीला दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग पर गंभीर चिंता जताते हुए तत्काल प्रभाव से कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया है।

अदालत ने राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि झारखंड में कोई भी कफ सीरप और नशीला दवा बिना डाक्टर की पर्ची के नहीं बिके।अदालत ने कहा कि इसके लिए सरकार मेडिकल दुकानों और दवा कंपनियों पर छापेमारी की जाए, ताकि गैरकानूनी कफ सीरप की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। इसको लेकर सुनील कुमार महतो ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से राज्य में स्कूली बच्चों के बीच खांसी की कफ सीरप सहित नशीले पदार्थों के बढ़ते इस्तेमाल पर गंभीर चिंता जताई गई थी। याचिका में कहा गया था कि कफ सीरप बिना किसी डाक्टर के पर्ची के खुलेआम बेची जा रही हैं।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि बिना कानूनी पर्चे के खांसी की सीरप और अन्य नशीली दवाओं की बिक्री पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाए।

दवा कंपनियों, मेडिकल स्टोरों और कफ सीरप बेचने वाली दुकानों पर तत्काल छापेमारी की जाए। छापे के दौरान स्टाक और आपूर्ति रजिस्टर आदि की ठीक से जांच की जाए और इस संबंध में उचित कार्रवाई की जाए।इस आशय की अनुपालन रिपोर्ट तीन सप्ताह के भीतर अदालत में पेश की जाए। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ऋतु कुमार के आग्रह पर झारखंड के ड्रग कंट्रोलर को प्रतिवादी बनाते हुए जवाब मांगा है।

मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। सुनील महतो की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि धनबाद जिले में बड़ी मात्रा में कफ सीरप बरामद हुआ था। इस मामले की जांच धनबाद पुलिस से लेकर सीआइडी को सौंप दी गई, लेकिन अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

कर्ज की वसूली के लिए दुल्हन के भाई का अपहरण, चार युवक गिरफ्तार

पिस्कानगड़ी, एजेंसी। कर्ज की राशि वसूलने की नियत से शादी समारोह से युवक का अपहरण कर भाग रहे चार अपराधियों को नगड़ी-दलादली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मंगलवार को नगड़ी थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-2 अरविंद कुमार ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को दलादली ओपी में अपहरण का मामला दर्ज किया गया था।

बिहार के आरा थाना क्षेत्र के निवासी शिवशंकर प्रसाद अपनी बेटी की शादी समारोह में शामिल होने 23 नवंबर को 'द पैलेस बंक्वेट हाल' पहुंचे थे। शादी समारोह आनंदपूर्वक चल रहा था कि मध्यरात्रि में चार अपराधियों ने शादी में कार्य कर रहे लड़की के भाई को अगवा कर लिया।

20 लाख की फिरौती मांगी : रात्रि करीब 2 बजे पीड़ित के भाई सुमित सोनी ने फोन कर परिवार को बताया कि चार अपराधियों ने उसे अपहरण कर लिया है तथा 20 लाख रुपये फिरौती की मांग की जा रही है। फिरौती नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में

एक विशेष टीम का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अगवा किए गए सुमित सोनी को सकुशल बरामद किया और चारों अपहरणकर्ताओं नारायण कुमार, सोनू कुमार विश्वकर्मा, सुमित कुमार और हर्ष कुमार को गया जिले के डोभी से गिरफ्तार कर रांची लाया गया।

सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि चारों अपराधियों ने कर्ज के रूप में दी गई राशि की वसूली के लिए षड्यंत्र रचकर आरा से सफेद रंग की कार में रांची पहुंचकर अपहरण की घटना को अंजाम दिया।

घटनास्थल से फरारी में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार (बीआर01एफए/8738) और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। कार्रवाई में दलादली टीओपी प्रभारी पुअनि सत्यप्रकाश उपाध्याय, पुअनि देवानंद कुमार यादव, पुअनि संदीप राज, आरक्षी पंकजकुमार चौधरी, आरक्षी अनोदकुमार यादव, हवलदार दिलीप ठाकुर, संजय मिंज एवं नगड़ी थाना टीम का सराहनीय योगदान रहा।

कैग ने झारखंड में एमएसएमई सेक्टर का परफॉर्मेंस ऑडिट किया शुरू

रांची, एजेंसी।

कैग द्वारा जारी की जानेवाली ऑडिट रिपोर्ट के लिए झारखंड में एमएसएमई में व्यापार करने में आसानी विषय पर एक परफॉर्मेंस ऑडिट किया जा रहा है। इस ऑडिट का उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा एमएसएमई के लिए लागू किए गए सुधारों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और रेगुलेटरी प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है। इसी क्रम में मंगलवार को चैंबर भवन में एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्योगों और बिजनेस कम्युनिटी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें उद्यमियों ने एमएसएमई संचालन के दौरान आनेवाली रुकावटों, अड़चनों और सुधार की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रधान महालेखाकार ऑडिट, झारखंड कार्यालय की प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल इंदु अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

झारखंड में उद्योग खोलने और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, कंस्ट्रक्शन परमिट, प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन और बिजली कनेक्शन, विभिन्न विभागों से अप्रूवल ओर एनओसी, एमएसएमई के लिए लोन की उपलब्धता, टैक्स भुगतान, इंसेंटिव की स्वीकृति और भुगतान, तकनीकी सहायता जैसे मुद्दों पर चैंबर सदस्यों ने विचार साझा किए।

रांची में इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका वन-डे मैच: पहले दिन बिके लगभग 9 हजार टिकट

रांची, एजेंसी। भारत- दक्षिण अफ्रीका वन-डे मैच के टिकट के लिए मंगलवार से ऑफलाइन टिकट की बिक्री शुरू हुई। पहले दिन हाथों में टिकट लिए कुछ लोगों के चेहरे पर खुशी दिखी तो वहीं कइयों के चेहरे मुरझाए हुए भी दिखे। वैसे खेलप्रेमी जिन्हें काउंटर से टिकट नहीं मिली वे आज भी टिकट खरीद सकते हैं। लंबी कतार और 15 घंटे के इंतजार के साथ पहले दिन लगभग 9 हजार टिकट बेचे गए। आज भी 9000 टिकट बेचे जाएंगे।

मैच को लेकर जिस तरह का क्रेज लोगों में देखने को मिल रहा है, उसका लाभ टी-शर्ट और टोपी बेचने वाले भी उठा रहे हैं। कोलकाता से भारतीय टीम की जर्सी लेकर आए दुकानदार भी मंगलवार की सुबह से ही जेएससीए स्टेडियम के बाहर जमे हुए हैं। 250-300 रुपए में जर्सी मिल रहा है। टिकट लेने के बाद क्रिकेट प्रेमी भारतीय टीम की जर्सी व टोपी खरीदते नजर आए। टोपी की कीमत 200 रुपए है। युवाओं में इसका क्रेज दिखा।

मजदूरी करने वाली महिलाएं भी टिकट खरीद रही : टिकट काउंटर पर आलम ऐसा है कि जो महिलाएं हर दिन मजदूरी करती हैं, वह भी लाइन में लग कर टिकट खरीद रही हैं। मंगलवार को ऐसा नजारा साफ दिखा।

5-10 महिलाओं का अलग-अलग समूह लाइन में दिनभर खड़ा रहा। इस दौरान बाइक व स्कूटी से आकर कई युवक उन महिलाओं से बातचीत करते रहे। बाइक व स्कूटी सवार युवक कभी पानी की बोतल तो कभी खाने का सामान उनको लाकर दे रहे थे। जब टिकट लेने के लिए पहुंची कुछ महिलाओं से इस बाबत पूछा गया तो वे पहले अपना चेहरा छुपाने लगीं। हालांकि कुछ देर बाद बातचीत करते हुए कहा कि मैच में धौनी को देखना है। जब अन्य खिलाड़ियों के बारे में पूछा गया तो हंसते हुए चेहरा घुमा लिया। उन महिलाओं को यह भी जानकारी नहीं थी कि भारत के साथ दूसरी कौन सी टीम मैच खेलने पहुंच रही है।

इंडिगो ने यात्रियों का सामान दिल्ली में छोड़ा, देवघर एयरपोर्ट पर जमकर हुआ हंगामा

देवघर, एजेंसी। देवघर एयरपोर्ट पर मंगलवार की रात यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। बताया जाता है कि दिल्ली से देवघर की इंडिगो की देर शाम की फ्लाइट करीब एक घंटे के विलंब से देवघर पहुंची। प्लेन से उतरने के बाद लोग अपना-अपना सामान लेने के लिए बेल्ट के पास पहुंचे। कुछ देर तक बेल्ट चलने के बाद अचानक रुक गया।

किसी की समझ में नहीं आया कि आखिर हुआ तो क्या हुआ। कुछ देर तक वे बेल्ट के फिर से चालू होने का इंतजार करते रहे, लेकिन वह चालू नहीं हुआ। उसके बाद लोगों ने जानकारी ली तो पता चला कि काफी लोगों का सामान दिल्ली में ही छूट गया था। ये सामान एयरलाइंस की गलती से छूट गया था।

इस कारण लोग हंगामा करने लगे। लोगों के समझ में नहीं आया कि उनका सामान उन तक कैसे पहुंचेगा। लोगों ने एयरलाइंस कंपनी के प्रतिनिधि से बात की। वे भी टाल मटौल करते हुए

नजर आए। वे लोगों से सहयोग करने की अपील कर रहे थे। हंगामे को देखते हुए अधिकांश कर्मी वहां से निकल लिए। बाद में लोगों को बताया गया कि उन सभी लोगों का सामान गुरुवार की फ्लाइट से मंगवा दिया जाएगा। उसके बाद उन्हें सामान मिल जाएगा। लोग इस बात से नाराज नजर आ रहे थे, क्योंकि बहुत से लोगों का जरूरी सामान तो लगेज के साथ दिल्ली में ही रह गया था।

वहीं, कुछ लोगों को देवघर से बाहर भी जाना था। ऐसे में उनके समझ में नहीं आ रहा था कि सामान के बिना वे क्या करेंगे। जिन लोगों का सामान छूट गया था उन्होंने एयरलाइंस कंपनी के प्रतिनिधि से अपनी शिकायत दर्ज करायी।

ये बताया कि किसका क्या सामान छूट गया है। बहुत से लोगों का सामान छूट गया है। लोगों ने खुलकर अपनी नाराजगी जताई। लोगों ने इसके लिए एयरलाइंस कंपनी की कार्यशैली को जिम्मेवार ठहराया। लोगों का कहना था कि कंपनी की गैर जिम्मेदाराना हरकत के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा है।वहीं, एयरपोर्ट पर भी कंपनी की ओर से उन्हें सहयोग करने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं थी।

जॉब इंटरव्यू के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।

ग्रेजुएशन के बाद किस कॉलेज से करें पीजीडीएम कोर्स?

ग्रेजुएशन के बाद अगर पीजीडीएम कोर्स करना चाहते हैं तो यहां बताए गए 7 प्वाइंट्स की मदद से बेस्ट ऑप्शन का चुनाव कर सकते हैं। अच्छे कॉलेज का चुनाव करते हुए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि पीजीडीएम के लिए सही संस्थान का चुनाव कर सकें।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) दो साल का बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम है। यह कोर्स बिजनेस के कई पहलुओं को कवर करता है। इसमें फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स, मार्केटिंग, एआई और डेटा साइंस, बिजनेस एनालिटिक्स और ऑपरेशंस मैनेजमेंट शामिल हैं। पीजीडीएम छात्रों को जरूरी मैनेजमेंट स्किल्स और ज्ञान से लैस करता है। यह कोर्स इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है लेकिन इसके लिए सही पीजीडीएम कॉलेज का चुनाव बहुत जरूरी है।

कुल मिलाकर, पीजीडीएम कोर्स उन लोगों के लिए जरूरी हैं जो अपनी नौकरी में आगे बढ़कर अपने बिजनेस ज्ञान में सुधार करना चाहते हैं। एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एक सामान्य कॉलेज की तुलना में अनुभवी फैकल्टी और अच्छी शिक्षा मिलती है। अच्छे पीजीएम कॉलेज के लिए बेस्ट कॉलेज कैसे चुनें, जानिए डॉ ए.एस. सुरेश अय्यर, निदेशक, आदित्य स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एएसबीएम) से।

रैंकिंग और मान्यता

पीजीडीएम के लिए सबसे जरूरी चीजों में से एक उन कॉलेजों की तलाश करना है जिन्हें संबंधित बॉडी द्वारा मान्यता प्राप्त है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि छात्रों को अच्छी गुणवत्ता वाली सही शिक्षा मिले। प्रसिद्ध जगह से मान्यता को गुणवत्ता मानदंड माना जाता है। रैंकिंग पर विचार करना एक और महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि यह एक प्रोग्राम की गुणवत्ता को भी निर्धारित करता है। यह स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद आपकी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

पाठ्यक्रम या सिलेबस

यह सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम प्रस्तावों और विशेषज्ञताओं की समीक्षा करना बहुत जरूरी है कि वे किसी के करियर के लक्ष्यों के अनुसार हों। एक असाधारण पीजीडीएम कार्यक्रम को उसके इंडस्ट्री ओरिएंटिड पाठ्यक्रम के अनुसार होना चाहिए। आपको ऐसे कॉलेजों और प्रोग्रामों की तलाश करनी चाहिए जो प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक यानी प्रैक्टिकल शिक्षा को शामिल करते हैं। वास्तविक दुनिया की स्थितियों में सैद्धांतिक या थ्योरी ज्ञान को लागू करने के लिए ये अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

आर्थिक मदद

छात्रों की ओर से चुने पीजीडीएम कॉलेज के आर्थिक फायदों पर विचार करना जरूरी है। छात्रों को ट्यूशन फीस का विश्लेषण करना चाहिए, कॉलेज में उपलब्ध छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप की जांच करनी चाहिए और ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई के बाद संभावित वेतन के संबंध में निवेश के लाभ पर भी विचार करना चाहिए। कोर्स की लागत को समझना भी जरूरी है, क्योंकि यह संस्थानों के अनुसार अलग-अलग होती है। छात्र यह सुनिश्चित करके भविष्य में आर्थिक तनाव से बच सकते हैं कि लागत और अपने बजट के अनुसार कॉलेज चुन सकते हैं।

प्लेसमेंट रिकॉर्ड

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने के लिए, कॉलेज के प्लेसमेंट आंकड़ों और वहां से भर्ती करने वाली कंपनियों को जांचना भी जरूरी है। एक मजबूत और योग्य प्लेसमेंट रिकॉर्ड छात्रों को सफल भविष्य के लिए तैयार करने में पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता और गुणवत्ता को दिखाता है। इसके अलावा निवेश पर लाभ की गणना करने के साथ-साथ, छात्रों को आने वाली कंपनियों और उनकी ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली इंडस्ट्री को भी ध्यान में रखना चाहिए। इससे छात्रों को एक व्यापक तस्वीर मिलेगी कि वे वास्तव में क्या कर रहे हैं।

पूर्व छात्रों से करें बात

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने का एक अनिवार्य हिस्सा पूर्व छात्रों का ग्रुप भी हो सकता है। यह देखने के लिए कि पिछले ग्रेजुएट अपने करियर में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, पूर्व छात्रों के परिणामों पर रिसर्च करने से छात्रों को सही रास्ता चुनने में मदद मिल सकती है। पूर्व छात्रों को खोजना या लिंक्डइन पर उनसे जुड़ना आपको बेहतर कॉलेज खोजने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, एक सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क सलाह और मदद करके आपके करियर के रास्ते में आपकी मदद कर सकता है।

बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर

छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का मूल्यांकन करने के लिए कैंपस का दौरा करना या ऑनलाइन संसाधनों की जाँच करना महत्वपूर्ण है। बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर, कक्षाओं, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब आदि का आकलन करने से छात्रों को कॉलेज के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। जरूरी सुविधाओं वाला एक परिसर एक छात्र की शिक्षा में सुधार कर सकता है और एक ऐसा वातावरण प्रदान कर सकता है जो उनके विकास के अनुकूल हो।

कॉलेज की जगह

छात्रों को संस्थान या कॉलेज की जगह और इसकी पहुंच का मूल्यांकन करना चाहिए। ऐसे क्षेत्र में कॉलेज चुनना आवश्यक है जो इंडस्ट्री केंद्रों और नेटवर्किंग के अवसरों तक पहुंच देता हो। एक आरामदायक और उचित सीखने के अनुभव की गारंटी के लिए, आने-जाने के समय, रहने की संभावनाओं और इंडस्ट्री केंद्रों से नजदीकी का ध्यान रखें।

इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।

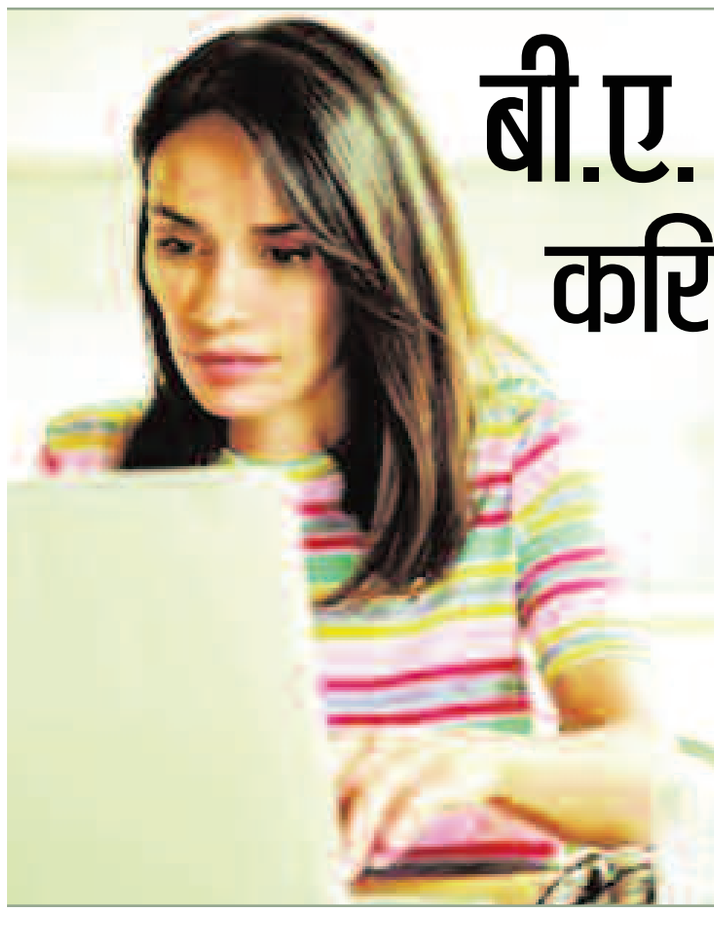

बी.ए. करने के बाद इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टर्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

आर्टर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक हब बना उत्तर प्रदेश

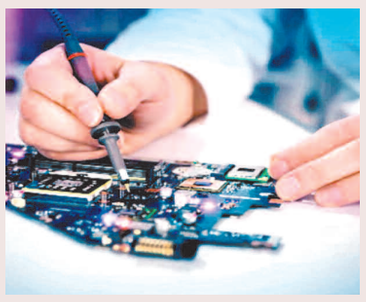

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दुनियाभर की कंपनियां मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पर जोर दे रही हैं। असल में कम मजदूरी लागत और कच्चे सामान की उपलब्धता के कारण ज्यादातर कंपनियां

भारत में निवेश कर रही हैं। वहीं उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग व आईटी निवेश में प्रमुख निर्यातक राज्य के तौर पर उभर रहा है। राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का निर्यात 82,000 करोड़ को पार कर गया है। राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में मोबाइल फोन बनाने में उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है, जहां से पूरे देश का 55 फीसदी उत्पादन हो रहा है। 2017 में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 3,862 करोड़ रुपये था। 2024-25 में बढ़कर 44,744 करोड़ हो गया। आईटी निर्यात 55,711 करोड़ से 82,055 करोड़ हो गया है। प्रदेश कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख निर्यातक राज्य के रूप में उभर चुका है। सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2024 लागू होने के बाद इस क्षेत्र में बड़े निवेश की संभावनाएं खुल रही हैं।

निवेश केंद्र के तौर पर उभर रहा यूपी- यूपी कम लॉजिस्टिक्स लागत, बेहतर कानून-व्यवस्था व सिंगल विंडो सिस्टम से लैस युवा कार्यबल ने दुनिया के निवेशकों को आकर्षित किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा, निवेश संरक्षण व इंडस्ट्रियल टाउनशिप आधारित अप्रोच ने औद्योगिक विकास को गति दी है। यूपी का उभरना मतलब देश का टेक्नोलॉजी व विनिर्माण भविष्य महानगरों तक सीमित नहीं रहेगा।

महत्वपूर्ण खनिजों की रिसाइक्लिंग पर सरकार बोली- 1500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना के लिए आगे आईं कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। महत्वपूर्ण खनिजों की रिसाइक्लिंग के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना के लिए अब तक बड़ी संख्या में कंपनियों ने पंजीकरण कराया है। सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार की इस योजना का मकसद देश में द्वितीयक स्रोतों से महत्वपूर्ण खनिजों के

पृथक्करण और उत्पादन के लिए पुनर्चक्रण क्षमता विकसित करना है। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷आवेदन प्राप्त करने के लिए निर्धारित पोर्टल पर अब तक बड़ी संख्या में संस्थाओं ने पंजीकरण कराया है।÷

खान सचिव पीयूष गोयल ने मंगलवार को इस योजना के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में मंत्रालय के अधिकारियों के साथ-साथ जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान, विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी), नागपुर (योजना के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी के रूप में नियुक्त एक स्वायत्त संस्थान) के अधिकारी भी शामिल हुए। सचिव ने आवेदन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। यह योजना 2 अक्तूबर 2025 से 1 अप्रैल, 2026 तक छह महीने के लिए आवेदन हेतु खुली रखी गई है। समीक्षा के दौरान, जेएनएआरडीडीसी को हितधारकों को समर्थन देने और योजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वयन चरण के दौरान परामर्श और सहभागिता सत्र आयोजित करने के लिए कहा गया।

1 रुपये पर आया एवांस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर

लोअर सर्किट में फंसा, कभी 1 लाख के बनाए थे 3 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। सुबह-सुबह शेयर मार्केट में तेजी आई। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही सेंसेक्स 300 अंक ऊपर पहुंच गया। वहीं इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर में गिरावट आई और कई में लोअर सर्किट लग गया। इन्हीं में एक ऐसा पेनी स्टॉक है जो बुधवार को गिरकर 1 रुपये पर आ गया। मार्केट खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें भी लोअर सर्किट लग गया। इसका नाम एवांस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड है।

एवांस के शेयर में बुधवार को सुबह ही करीब 5 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। इसी के साथ यह शेयर 1 रुपये पर आ गया। मंगलवार को यह शेयर 1.05 रुपये

पर बंद हुआ था। इस शेयर का 52 हफ्ते का ऑल टाइम हाई 3.15 रुपये है। जबकि 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 52 पैसे है। इस शेयर का रिटर्न पिछले कुछ समय में मिला-जुला रहा है।

कितना दिया रिटर्न?

पिछले कई दिनों से इसमें लोअर सर्किट लग रहा है। पिछले 5 कारोबारी दिनों की बात करें तो इसमें करीब 25 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। वहीं एक महीने में यह शेयर निवेशकों का काफी नुकसान कर चुका है। इसमें पैसा लगाने वालों की रकम एक महीने में आधी से ज्यादा कम हो गई है। एक महीने पहले इसकी कीमत 2.49 रुपये थी। आज बुधवार को यह शेयर एक रुपये का रह गया। ऐसे में इसमें एक महीने में करीब 60 फीसदी की गिरावट आई है।

एक लाख के बनाए तीन लाख रुपये

इस साल यानी 2025 में करीब तीन महीने ऐसे भी आए जब इसने निवेशकों की जेब भर दी। इस साल जून के आखिरी में इसकी कीमत 73 पैसे थी। वहीं अक्टूबर के शुरुआत में यह 3.15 रुपये पर पहुंच गई थी। ऐसे में इसने करीब साढ़े तीन महीने में निवेशकों को 300 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। यानी इतने समय में इस शेयर ने निवेशकों के एक लाख रुपये को तीन लाख रुपये से ज्यादा में बदल दिया। मतलब, एक लाख रुपये के निवेश पर सीधे दो लाख रुपये का फायदा।

क्या करती है कंपनी?

इस कंपनी की शुरुआत 1985 में वीएमसी सॉफ्टवेयर लिमिटेड के नाम से हुई थी। साल 2003 में इसका नाम बदलकर एवांस टेक्नोलॉजीज कर दिया गया। यह आईटी कंपनी है। यह कंपनी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लाउड सर्विस, डेटा सेंटर मैनेजमेंट और आइओटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट जैसी कई सर्विस देती है। साथ ही यह हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और पेरिफेरल्स जैसे आईटी प्रोडक्ट्स भी बेचती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 198.19 करोड़ रुपये है।

533 रुपये सस्ता मिल रहा अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का 24,930 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। यह इश्यू देश के सबसे बड़े ऐसे प्रस्तावों में से एक है और 10 दिसंबर, 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के तहत कंपनी 1,800 रुपये प्रति शेयर की दर से कुल 13.85 करोड़ इक्विटी शेयर पेश करेगी। मंगलवार को कंपनी का शेयर 2.71त्न गिरावट के साथ 2333.70 रुपये पर बंद हुआ। यह इश्यू सभी योग्य शेयरधारकों के लिए खुला है।

कंपनी के प्रमोटर्स के पास लगभग 74त्न हिस्सेदारी है। अगर पूरा सब्सक्रिप्शन हो जाता है और कॉल मनी का भुगतान हो जाता है, तो राइट्स इश्यू के बाद कंपनी के कुल इक्विटी शेयर लगभग 129.27 करोड़ हो जाएंगे, जबकि इश्यू से पहले यह संख्या 115.41 करोड़ थी। कंपनी ने 11 नवंबर को राइट्स इश्यू की घोषणा की थी और उसी दिन रिकॉर्ड डेट तय की थी। यह राइट्स इश्यू योग्य इक्विटी शेयरधारकों को राइट्स बेसिस पर पेश किया जा रहा है। इसके तहत, रिकॉर्ड डेट पर हर 25 फुली पेड-अप इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक को 3 राइट्स इक्विटी शेयर मिलेंगे।

पैसों का क्या करेगी कंपनी- राइट्स इश्यू से मिलने वाले पैसों का यूज अगली पीढ़ी के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में किया जाएगा। इनमें एयरपोर्ट, डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सड़कें, पीवीसी और कॉपर स्मेल्टिंग क्षमताएं शामिल हैं। इसके अलावा, इसका उपयोग मेटल्स, माइनिंग, डिजिटल और मीडिया वेंचर्स में भी किया जाएगा, जिन्हें कंपनी इनक्यूबेट कर रही है। कुछ कर्ज चुकाने के लिए भी इस पैसे का इस्तेमाल होगा। सितंबर तक कंपनी का कुल कर्ज 92,065 करोड़ रुपये था। अडानी ग्रुप अगले पांच साल में हर साल 15-20 अरब डॉलर के कैपेक्स की उम्मीद कर रहा है।

बिटकॉइन के छक्के छुड़ा रही पाई नेटवर्क

सबसे महंगी क्रिप्टो रह गई काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय क्रिप्टोकरेंसी बड़े उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। कभी इसमें बड़ी तेजी आ जाती है तो कभी बड़ी गिरावट। इसके चलते निवेशकों के बीच भी चिंता होने लगी है। उन्हें कभी फायदा हो रहा है तो कभी नुकसान। इस गिरावट से दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टो बिटकॉइन भी अछूती नहीं रही है। यह भी बड़े गिरावट के दौर से गुजर रही है। यह अभी भी 90 हजार डॉलर के नीचे कारोबार कर रही है। वहीं पाई नेटवर्क का मिजाज अलग ही नजर आ रहा है।

बुधवार को क्रिप्टो मार्केट में फिर से गिरावट आई। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 0.85 फीसदी गिर गया। इसी के साथ बुधवार सुबह 10ः30 बजे यह 3 ट्रिलियन पर आ गया था। पिछले 24 घंटे में कुछ क्रिप्टो को छोड़कर सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी गिरावट के साथ कारोबार कर रही थीं। इनमें बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, सोलाना आदि शामिल हैं।

क्यों आ रही पाई नेटवर्क में तेजी?

पाई नेटवर्क में इन दिनों जबरदस्त तेजी आई हुई है। पिछले एक महीने में यह 0.270 डॉलर (करीब 24 रुपये) तक पहुंच गई है। बात अगर रिटर्न की करें तो एक महीने में इसने 2 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं बिटकॉइन में गिरावट की बात करें तो एक महीने में यह करीब 25 फीसदी लुढ़क चुकी है। पाई नेटवर्क में तेजी आने के कई कारण हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाई नेटवर्क ने यूरोपीय संघ के क्रिप्टो-एसेट रेगुलेशन (ख्वष्ट) में बाजारों का पूर्ण अनुपालन हासिल कर लिया है। माना जा रहा है कि इसकी कीमत इस महीने 0.30 डॉलर तक जा सकती है।

बिटकॉइन और पाई नेटवर्क में कौन आगे?

पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क ने रिटर्न के मामले में बिटकॉइन को काफी पीछे छोड़ दिया है। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार सुबह 10ः30 बजे बिटकॉइन 24 घंटे में एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 87,250 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 7 दिनों में इसमें 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है।

वहीं पाई नेटवर्क में निवेश करने वालों की मौज आई हुई है। पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क में 2.50त्न की तेजी आई है। इस तेजी के साथ यह क्रिप्टो 0.2440 डॉलर (करीब 21.77 रुपये) पर कारोबार कर रही है। पिछले 7 दिनों में इसमें करीब 8 फीसदी की तेजी आई है। इसमें ऐसे में रिटर्न के मामले में पाई नेटवर्क ने बिटकॉइन को पीछे छोड़ दिया है।

कच्चे तेल में भारी गिरावट की तैयारी! 2027 तक 30 डॉलर प्रति बैरल होने का अनुमान; रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आ सकती है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि मार्च, 2027 तक ब्रेंट क्रूड 30 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकता है। इस संभावित गिरावट का कारण बढ़ती हुई अतिरिक्त आपूर्ति है, जो स्थिर मांग वृद्धि को दबा सकती है। अभी यह 60 डॉलर प्रति बैरल है। तीन वर्षों में तेल की खपत में वृद्धि के बावजूद आपूर्ति में वृद्धि विशेष रूप से गैर-ओपेक प्लस उत्पादकों से वैश्विक बाजार को प्रभावित करेगी। इससे कीमतों पर भारी असर पड़ेगा।

वैश्विक तेल मांग 2025 में बढ़कर 10.5 करोड़ बैरल रोजाना तक पहुंचने की उम्मीद है। 2026 में भी इसी गति से वृद्धि जारी रहेगी। 2027 में इसमें और तेजी आएगी। इस स्थिर वृद्धि के बावजूद जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2025 और 2026 में आपूर्ति मांग की दर से तीन गुना बढ़ेगी। 2027 में आपूर्ति वृद्धि धीमी होने के बावजूद यह बाजार की जरूरी क्षमता से काफी ऊपर रहेगी। कच्चा तेल साल के अंत तक 50 डॉलर के निचले स्तर तक गिर सकता है। 2027 में औसतन 42 डॉलर के आसपास रह सकता है। हालांकि, पूरी गिरावट शायद न हो, लेकिन स्वैच्छिक व अनैच्छिक उत्पादन कटौती के जरिये पुनर्संतुलन होगा।

गैर ओपेक प्लस देश के बाहर से आएगा 50 फीसदी उत्पादन...

जेपी मॉर्गन ने कहा 2027 तक अपेक्षित अतिरिक्त आपूर्ति का आधा हिस्सा गैर ओपेक प्लस देश के बाहर से आएगा। ऑफशोर परियोजनाएं, जिन्हें कभी महंगी और चक्रीय माना जाता था, एक विश्वसनीय विकास स्रोत के रूप में विकसित हुई हैं। इनकी मांग भी ज्यादा हो रही है।

कंपनियों को होगा लाभ लेकिन ग्राहकों को नहीं

तेल आयात पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को कम कच्चे तेल की कीमतों से आर्थिक लाभ मिल सकता है। हालांकि, ग्राहकों को इसका फायदा नहीं मिलेगा। दो वर्षों से कच्चे तेल की कीमतों में कई बार भारी गिरावट आई है, फिर भी देश में डीजल-पेट्रोल की कीमतें ऊंचे भाव पर हैं।

तेल के भंडार में जबरदस्त वृद्धि

उत्पादन में उछाल के कारण भारी मात्रा में भंडार जमा हो गया है। इस वर्ष वैश्विक तेल भंडार में 15 लाख बैरल रोजाना की वृद्धि हुई है। इसमें लगभग 10 लाख तेल-ऑन-वाटर और चीनी भंडारों में संग्रहीत है। इससे संभावित रूप से अधिशेष 2026 में 28 लाख बैरल और 2027 में 27 लाख बैरल रोजाना तक बढ़ सकता है।

ई-कॉमर्स में जारी है हिडन चार्जेस का खेल

एक्स्ट्रा चार्ज ले रही हैं कंपनियां, सर्वे में सामने आई बात

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, मेकमाईट्रिप, क्लियरट्रिप, बिगबास्केट (बिगबास्केट), एक्सेलिया, नेटमेड्स, टाटा, जोमैटो, ब्लिंकिट और इक्सिगो जैसी बड़ी कंपनियों ने दावा किया था कि उन्होंने डार्क पैटर्न हटा दिए हैं। लेकिन लोकलसर्किल्स के एक सर्वे के मुताबिक, जांच में पाया गया कि ये अब भी ड्रिप प्राइसिंग (शुरुआत में कम दाम दिखाकर बाद में एक्स्ट्रा चार्ज जोड़ना) का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिन 26 प्लैटफॉर्म्स ने सरकार को लिख कर दिया था कि वे डार्क पैटर्न फ्री हैं, उनमें से 21 पर अब भी ग्राहकों को फंसाने का तरीका मौजूद है।

कहां ज्यादा (7 या ज्यादा) गड़बड़?

डिजिटल लेंडिंग, एडटेक, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, ओटीटी, ऐप टैक्सी, फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स, सॉफ्टवेयर एप्स, दवाई और हेल्थ सर्विस, ट्रैवल फ्लाइट और ट्रेन टिकट मूवी/इवेंट टिकट, ऑनलाइन पेमेंट, ऑनलाइन गेमिंग, रियल एस्टेट, इंश्योरेंस, विदेशी मुद्रा, ब्रॉडबैंड और नौकरी खोजने वाली साइट्स ।

कहां है कम (4-6 तरह) गड़बड़?

ट्रेन टिकट बुकिंग, मोबाइल टेलीकॉम, वॉयस असिस्टेंट, डाइनिंग सर्विस, सरकारी सेवाएं, होम हेल्थ सर्विस, इलेक्ट्रिक स्कूटर, ऑनलाइन ट्रेडिंग, पुरानी कारों की बिक्री, पैथोलॉजी लैब, क्रिप्टोकरेंसी, डेटिंग मैट्रिमोनियल एप्स और ऑनलाइन जूलरी।

प्रोफेसरी छोड़ केंचुओं में लगा दी पूरी गणित...सिर्फ 500 से शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के भिवानी स्थिति एक कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर रहे प्रमोद सहारन की लॉकडाउन ने जिंदगी बदल दी। सिविल इंजीनियरिंग में एम.टेक प्रमोद ने इस दौरान अपने बचपन के शौक बागवानी को फिर से जिया। पौधों की अच्छी ग्रोथ के लिए वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें इसकी बनावट और बनाने की प्रक्रिया में दिलचस्पी हुई। यह दिलचस्पी जल्द ही एक सफल व्यवसाय में बदल गई। इससे प्रमोद आज सालाना करीब 30 लाख रुपये कमा रहे हैं। सिर्फ 500 रुपये में 1 किलो केंचुए खरीदकर उन्होंने इसकी शुरुआत छोटे-से प्रयोग के तौर पर की थी। फिर अपनी प्रोफेसर की नौकरी छोड़कर वह वर्मीकम्पोस्ट बनाने के काम में ही जुट गए। आज वह इस क्षेत्र में एक मिसाल बन गए हैं। आइए, यहां प्रमोद सहारन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ 500 से शुरुआत

सिविल इंजीनियरिंग में एम. टेक और हरियाणा में भिवानी के एक कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर रहे प्रमोद सहारन के लिए कोरोना लॉकडाउन ने उन्हें बचपन के शौक बागवानी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। पौधों के लिए स्थानीय दुकान से वर्मीकम्पोस्ट खरीदने के दौरान उनकी रुचि इसे बनाने में बढ़ी। अपने प्रयोग की शुरुआत करते हुए उन्होंने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से 500 रुपये में आइसेनिया फीटिडा किस्म के 1 किलो केंचुए खरीदे, जो भारतीय मौसम में खाद बनाने के लिए उपयुक्त माने जाते हैं। उन्होंने केंचुओं को गाय के गोबर के साथ घर के बगीचे के एक कोने में रखा ताकि उनका विकास चक्र देखा जा सके। प्रमोद ने पाया कि ये केंचुए हर डेढ़ महीने में दोगुने हो जाते हैं।

नौकरी छोड़ काम पर पूरा फोकस

प्रयोग की सफलता और व्यवसाय की क्षमता को देखकर प्रमोद ने अपनी नौकरी छोड़ दी। मार्च 2021 में उन्होंने 300 रुपये प्रति किलो की दर से 60 किलो केंचुए खरीदे। फिर उन्हें हिसार के कैमरी गांव में अपने खेत में ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने 4 फीट चौड़े और 30 फीट लंबे पांच वर्मीकम्पोस्ट बेड बनाए। हर एक बेड पर लगभग 12 किलो केंचुए और 1700 से 1800 किलो गाय का गोबर डाला गया। हर एक बेड की लागत 1600 रुपये आई (केंचुओं और गोबर पर कुल 22,000 रुपये का खर्च)। जून तक, इन पांचों बेड से 40 क्विंटल (4,000 किलो) वर्मीकम्पोस्ट तैयार हो गया। प्रमोद ने इसे औसतन 12 रुपये प्रति किलो की दर से बागवान और सब्जी उत्पादकों को बेचा। कुल रेवेन्यू 48,000 रुपये रहा। इससे 26,000 रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस पहले मुनाफे ने प्रमोद को विश्वास दिलाया कि वर्मीकम्पोस्ट एक आकर्षक व्यावसायिक अवसर है।

कई गुना बढ़ा दिया प्रोडक्शन

शुरुआती सफलता के बाद प्रमोद ने अपने पैतृक खेत के लगभग एक एकड़ खाली पड़े हिस्से का इस्तेमाल करने का फैसला किया। उन्होंने 2021 से 2024 के बीच अपने उत्पादन को पांच बेड से बढ़ाकर 50 और फिर 85 बेड तक पहुंचाया। वर्तमान में, उनके एक एकड़ के परिसर में 120 वर्मीकम्पोस्ट बेड, प्रोसेसिंग मशीनें और एक पैकेजिंग और भंडार क्षेत्र है। एक बेड को तैयार होने में तीन महीने लगते हैं। इसके बाद उसे ताजा करना पड़ता है, यानी एक बेड से साल में तीन उत्पादन चक्र लिए जा सकते हैं। इस कैलकुलेशन के अनुसार, 120 बेड से सालाना तीन चक्रों में कुल 2700 क्विंटल (2.70 लाख किलो) वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन होता है।

अब सालाना 30 लाख की कमाई

प्रमोद तैयार वर्मीकम्पोस्ट को छोटे पैकेटों (5 किलो बैग 70 रुपये और 1 किलो 15 रुपये) में बेचते हैं। उनके कुल बिक्री का केवल 15त्न नर्सरी को जाता है। बाकी किसान और बागवान सीधे उनकी यूनिट से खरीदारी करते हैं। वर्मीकम्पोस्ट का औसत रेट 800 रुपये प्रति क्विंटल बैठता है। इससे उन्हें सालाना लगभग 22 लाख रुपये की आय होती है। इसके अलावा, वह उन किसानों को भी केंचुए बेचते हैं जो नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। केंचुओं का रेट मांग और मौसम के आधार पर 100 रुपये से 200 रुपये प्रति किलो के बीच रहता है।

भारत की 408 रनों से शर्मनाक हार

साउथ अफ्रीका ने 2-0 से सीरीज अपने नाम की

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। ये ऐतिहासिक जीत इसलिए भी खास है क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद भारतीय सरज़मीं पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले 2000 में उन्होंने भारत को 2-0 से हराया था। बरसापारा स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य था, लेकिन टीम महज़ 140 रन पर ढेर हो गई। भारतीय बल्लेबाज़ों में केवल रवींद्र जडेजा ही संघर्ष करते दिखे, जिन्होंने 54 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका के गेंदबाज़ साइमन हार्मर ने मैच में कहर बरपाया और 6 विकेट लेकर भारत की कमर तोड़ दी।

इस हार के साथ टीम इंडिया का घरेलू मैदान पर विजय क्रम टूट गया और टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अब आने वाली सीरीज में टीम को रणनीति और बल्लेबाज़ी दोनों पर नए सिरे से काम करना होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ

आईपीएल में वापसी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट

पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

पृथ्वी शॉ की नई शुरुआत : बदलाव जिसने सबका ध्यान खींचा – मुंबई क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे पृथ्वी शॉ ने पहली बार अपने घरेलू करियर की दिशा बदलते हुए महाराष्ट्र को चुना। यह कदम न केवल उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे एक स्वच्छ शुरुआत और बेहतर अवसर की तलाश में हैं। वर्षों की अस्थिरता और टीम चयन में लगातार गिरावट के बाद यह बदलाव उनके करियर का अहम मोड़ माना जा रहा है।

रोनाल्डो पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध हटा

विश्व कप में खेलते दिखेंगे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा। क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा की ओर से बड़ी राहत मिली है। आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में एल्बो मारने के चलते मिले रेड कार्ड के बाद माना जा रहा था कि वे

आगामी वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। हालांकि, फीफा ने उन्हें तीन मैच के प्रतिबंध की सजा सुनाई है, लेकिन उसमें से दो मैचों पर एक साल की प्रोबेशन लागू की गई है। यानी रोनाल्डो ने पहले ही एक मैच का अनिवार्य बैन काट लिया है, और अब वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए पात्र हैं, लेकिन चेतावनी के साथ।

क्या था मामला?

डबलिन में खेले गए मुकाबले में रोनाल्डो ने आयरलैंड के डिफेंडर डारा ओ 'शेया को कोहनी मारी थी। फीफा ने इसे हिंसक आचरण माना और सजा निर्धारित की। हालांकि, फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा।

फीफा का फैसला क्यों विशेष है?- आम तौर पर ऐसे मामलों में पूरी सजा लागू होती है। दिलचस्प बात यह है कि इसी महीने आर्मेनिया और बुरुंडी के खिलाड़ियों पर भी तीन-तीन मैचों का बैन लगा, लेकिन उन्हें कोई छूट नहीं मिली।

विश्व कप से अर्जुन के बाहर होने से टूटा कैंडिडेट का सपना

गोवा, एजेंसी। गत सप्ताह भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और विश्व कप में भारत की आखिरी उम्मीद ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी क्वाटर फ़ाइनल के टाईब्रेक मुक़ाबले

में चीन के वे यी से हारकर बाहर हो गए थे और इस तरह विश्व कप में भारत की चुनौती समाप्त हो गई . क्लासिकल मुक़ाबले में जीत से चूकने के बाद आज अर्जुन का सामना पहले रैपिड में चीन के वे यी से हुआ पर एक दिन पहले मिले जीवनदान का फ़ायदा उठाते हुए उन्होंने सफेद मोहरो से अर्जुन की फ्रेंच ओपनिंग में बेहतरीन खेल दिखाते हुए कुछ नई चालों से अर्जुन को चौंका दिया हालांकि एक समय मुश्किल में लग रहे अर्जुन किसी तरह ड्रा करने में सफल रहे , दूसरी रैपिड बाजी में अर्जुन नें सफेद मोहरो से एक समय मजबूत स्थिति हासिल कर ली थी पर वह जीतने के प्रयास में कुछ ग़लतियाँ कर बैठे और वे यी नें जीत दर्ज करते हुए टाईब्रेक 1.5-0.5 से अपने नाम कर लिया । जीतने के बाद वे यी नें कहा की अर्जुन नें जीतने के लिए ज़्यादा प्रयास किए वह खेल को ड्रा रखकर अगले टाईब्रेक में जा सकते थे । विश्व नंबर 4 अर्जुन इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में फीडे सर्किट के अंतिम क्षणो में ओर 2023 में विश्व कप क्वाटर फाइनल से हारकर कैंडिडेट से चुके है ओर यह चौंथी बार है जब उन्हे कैंडिडेट में स्थान नहीं मिला है । वहीं अन्य दो टाईब्रेक मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर सिंदारोव जावोखिर नें मेक्सिको के ग्रैंडमास्टर जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा को पराजित करते हुए सेमी फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया जहाँ उनका सामना अब हमवतन नोदिरबेक याकूबबोव से होगा । वहीं तीसरे मुक़ाबले में रूस के आंद्रे एसिपेंको नें यूएसए के सैम शंकलैंड को पराजित करते हुए सेमी फ़ाइनल में प्रवेश किया और अब उनका सामना चीन के वे यी से होना है ।

सेमी फ़ाइनल जीतने वाले दोनों खिलाड़ियों को सीधे कैंडिडेट में प्रवेश मिलेगा जबकि हारने वाले खिलाड़ियों को तीसरे स्थान के लिए मुकाबला जीतकर कैंडिडेट में पहुँचने का दूसरा और अंतिम मौका मिलेगा।

इस हार के साथ ही अब अगले फ़ीडे कैंडिडेट में भारत की उम्मीद अब सिर्फ़ प्रज्ञानन्दा ही बाक़ी है जो फ़ीडे सर्किट पॉइंट के ज़रिए अभी भी कैंडिडेट पहुँच सकते है ।

फाइनल में पाकिस्तान नहीं, बल्कि इस टीम को हराकर टी20 वर्ल्ड कप जीतना चाहेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दौर था, जब भारतीय क्रिकेटर और फैंस फाइनल में पाकिस्तान को मात देकर आईसीसी टूर्नामेंट जीतते देखना पसंद करते थे, लेकिन आज के दौर में हालात बदल गए हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अनुसार, वह ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतना पसंद करेंगे। मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। भारत और श्रीलंका में कुल 8 वेन्यू पर इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाना है। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-ए में रखा गया है। दोनों टीमें 15 फरवरी को 'हाईवोल्टेज मैच' खेलेंगी। सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी की ओर से आयोजित आगामी टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'अगर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल है, तो मैं चाहूंगा कि भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीते।' भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैदान पर बढ़ती प्रतिद्वंदिता के बीच सूर्यकुमार यादव चाहते हैं कि भारत टी20 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़े। इसकी दूसरी वजह यह भी है कि

टीम इंडिया कंगारुओं से वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहती है। 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 240 रन बनाए थे। इसके जवाब में ट्रेविस हेड (137) और मार्नस लाबुशेन (नाबाद 58) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महज 43 ओवरों में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 5-5 के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को भारत को ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में टीम इंडिया के साथ पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीमें शामिल हैं। वहीं, ग्रुप-बी में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान को रखा गया है।

ऐसा पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा, यह मेरे लिए अलग अनुभव है : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा को इस टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। ऐसा पहली बार होगा जब रोहित शर्मा टी20 विश्व कप में नहीं खेलेंगे, यह उनके लिए एक अलग अनुभव होगा। रोहित शर्मा ने अब तक टी20 वर्ल्ड कप के सभी एडिशन में हिस्सा लिया है। वह

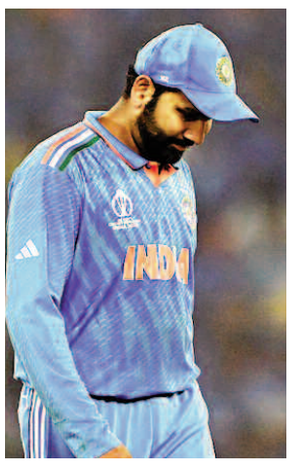

साल 2007 की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद साल 2024 में बतौर कप्तान खिताब जीता। रोहित ने कहा, 'इतने सारे देशों को टी20 वर्ल्ड कप में खेलते देखना खुशी की बात है। यह पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा। यह मेरे लिए एक अलग अनुभव है, लेकिन मुझे घर में टीवी पर मैच देखने की आदत हो गई है।' इस मौके पर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस इवेंट को चैलेंजिंग बताते हुए कहा कि उनके टीम के साथी घर पर खेलने के लिए उत्साहित हैं। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 में 20 टीमों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर 8 स्टेज के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान पर फोकस होगा। वहीं नीदरलैंड्स और यूएसए भी इस ग्रुप में हैं, जिन्होंने 2024 में पिछले एडिशन में पाकिस्तान को चौंका दिया था। इनके अलावा, नामीबिया को भी इस ग्रुप में शामिल किया गया है। ग्रुप-बी में श्रीलंका के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान की टीमें हैं। इनके अलावा, ग्रुप-सी में इंग्लैंड के साथ वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली को शामिल किया गया है।

पानी पर ताकत और तालमेल का खेल

रोइंग: जिसने ओलंपिक में बनाई खास पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब 8 हजार ईसा पूर्व लोग लकड़ी के लट्ठों को आपस में बांधकर उसे इस तरह तैयार करते थे कि उसमें खड़े होकर नदी को पार कर सकें। इससे न सिर्फ उन लोगों को नदी पार करने में मदद मिलती थी, बल्कि वे इसकी सहायता से मछलियों को भी पकड़ते थे। धीरे-धीरे लकड़ी के लट्ठों को काट-छांटकर उसे नाव का आकार दिया गया। उस दौरान किसी ने सोचा नहीं था कि एक दिन यही नाव ओलंपिक में पानी पर ताकत और तालमेल का खेल बनेगी। साल 1829 में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को आठ पतवारों वाली नाव के साथ एक मैच में हिस्सा लेने की चुनौती दी थी। इस पहली रेस में ऑक्सफोर्ड ने जीत हासिल की थी। 19वीं शताब्दी तक यूरोप में रोइंग ने लोकप्रियता हासिल कर ली। 1900 पेरिस ओलंपिक में इस खेल को पहली बार शामिल किया गया, और तब से लेकर आज तक प्रत्येक ओलंपिक में इस खेल ने अपनी छाप छोड़ी है। 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में पहली बार महिलाओं की स्पर्धा को शामिल किया गया और फिर 1996 अटलांटा ओलंपिक में लाइटवेट स्पर्धाओं की शुरुआत हुई। रोइंग रेस के दो प्रकार होते हैं- स्कलिंग और स्वीप ओअर। स्कलिंग में दो पतवारों का प्रयोग होता है, जबकि स्वीप में नाविक एक पतवार का उपयोग करता है। नाव चलाने वाले एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2, 4 और 8 की टीमों में प्रतिस्पर्धा करते हैं।

डबल स्कल्स एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार पकड़ते हैं, जबकि स्वीप रोइंग एथलीट दोनों हाथों से एक पतवार को पकड़ते हैं। 8 व्यक्तियों की टीम में एक मुख्य चालक होता है, जो अन्य सदस्यों को निर्देश देता है। उसे 'कॉक्सवेन' कहा जाता है।

उनके अलावा, अन्य सदस्य एक फुट पेडल के साथ पतवार को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक 10 से 12.4 मीटर की दूरी पर पानी की गहराई के साथ एक खास चीज को बांधकर रास्तों को चिन्हित किया जाता है। अगर किसी टीम या एथलीट से गलत शुरुआत हो जाए, तो उसे चेतावनी दी जाती है। अगर वह एथलीट या टीम गलती दोहराती है, तो उसे अयोग्य करार दिया जाता है। नाव का अगला भाग फिनिश लाइन कब पार करता है, यह जीत को तय करता है। भारतीय रोइंग ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह प्रगति की है, उसे देखते हुए ओलंपिक में भारत का भविष्य पहले से अधिक उज्ज्वल माना जा सकता है। भारतीय रोइंग में प्रतिभा का दायरा बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय रोअर्स तेजी से उभरकर सामने आए हैं। यह भविष्य की टीम के लिए मजबूत आधार है। उम्मीद की जा सकती है कि भारत जल्द इस खेल में भी ओलंपिक पदक हासिल करेगा।

स्मृति मंधाना को धोखा दे रहे थे पलाश मुच्छल?

मिस्ट्री गर्ल की पोस्ट से बड़ा ट्विस्ट आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना और म्यूज़िक कंपोज़र पलाश मुच्छल का रिश्ता हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है। जहां यह कपल कुछ समय पहले तक अपनी प्री-वेडिंग तस्वीरों के चलते सुर्खियों में था, वहीं अब वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट और लगातार बढ़ती अफवाहों ने कहानी को पूरी तरह पलट दिया है। इंटरनेट पर फैली जानकारी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन इन चर्चाओं ने फैंस के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति क्या है—यह जानने के लिए सबकी निगाहें कपल पर टिकी हैं।

विवाद की वजह बनी वायरल हुई कथित चैट

पलाश मुच्छल और कोरियोग्राफर मैरी डी 'कोस्टा की कथित निजी चैट ऑनलाइन फैलते ही मामला अचानक सुर्खियों में आ गया। पोस्ट की गई मैसेजिंग बातचीत में दावा किया जा रहा था कि पलाश किसी मुलाकात पर जोर दे रहे थे और अपने लॉन्ग-डिस्टेंस रिश्ते को लेकर असंतोष जता रहे थे। हालांकि, इन चैट्स की किसी भी विश्वसनीय स्रोत द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर इन पोस्ट्स ने बड़ी तेजी से बवाल खड़ा कर दिया, जिससे फैंस के बीच कई तरह के कयास लगने लगे।

फीफा विश्व कप 2026

ड्रॉ में स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड को फायदा! सेमीफाइनल से पहले नहीं होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना।

फीफा ने अगले साल होने वाले 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के ड्रॉ को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ अगले सप्ताह जारी होना है। इस ड्रॉ में पहली बार टेनिस-स्टाइल नॉकआउट ब्रैकेट सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके तहत दुनिया की शीर्ष चार टीमें स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड को अलग-अलग हिस्सों में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि अगर ये चारों टीमें अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल करती हैं, तो वे सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेलेंगी।

भारत की 408 रनों से शर्मनाक हार

साउथ अफ्रीका ने 2-0 से सीरीज अपने नाम की

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। ये ऐतिहासिक जीत इसलिए भी खास है क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद भारतीय सरज़मीं पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले 2000 में उन्होंने भारत को 2-0 से हराया था। बरसापारा स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य था, लेकिन टीम महज़ 140 रन पर ढेर हो गई। भारतीय बल्लेबाज़ों में केवल रवींद्र जडेजा ही संघर्ष करते दिखे, जिन्होंने 54 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका के गेंदबाज़ साइमन हार्मर ने मैच में कहर बरपाया और 6 विकेट लेकर भारत की कमर तोड़ दी।

इस हार के साथ टीम इंडिया का घरेलू मैदान पर विजय क्रम टूट गया और टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अब आने वाली सीरीज में टीम को रणनीति और बल्लेबाज़ी दोनों पर नए सिरे से काम करना होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ

आईपीएल में वापसी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट

पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

पृथ्वी शॉ की नई शुरुआत : बदलाव जिसने सबका ध्यान खींचा - मुंबई क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे पृथ्वी शॉ ने पहली बार अपने घरेलू करियर की दिशा बदलते हुए महाराष्ट्र को चुना। यह कदम न केवल उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे एक स्वच्छ शुरुआत और बेहतर अवसर की तलाश में हैं। वर्षों की अस्थिरता और टीम चयन में लगातार गिरावट के बाद यह बदलाव उनके करियर का अहम मोड़ माना जा रहा है।

रोनाल्डो पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध हटा

विश्व कप में खेलते दिखेंगे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा। क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा की ओर से बड़ी राहत मिली है। आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में एल्बो मारने के चलते मिले रेड कार्ड के बाद माना जा रहा था कि वे

आगामी वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। हालांकि, फीफा ने उन्हें तीन मैच के प्रतिबंध की सजा सुनाई है, लेकिन उसमें से दो मैचों पर एक साल की प्रोबेशन लागू की गई है। यानी रोनाल्डो ने पहले ही एक मैच का अनिवार्य बैन काट लिया है, और अब वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए पात्र हैं, लेकिन चेतावनी के साथ।

क्या था मामला?

डबलिन में खेले गए मुकाबले में रोनाल्डो ने आयरलैंड के डिफेंडर डारा ओ 'शेया को कोहनी मारी थी। फीफा ने इसे हिंसक आचरण माना और सजा निर्धारित की। हालांकि, फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा।

फीफा का फैसला क्यों विशेष है?- आम तौर पर ऐसे मामलों में पूरी सजा लागू होती है। दिलचस्प बात यह है कि इसी महीने आर्मेनिया और बुरुंडी के खिलाड़ियों पर भी तीन-तीन मैचों का बैन लगा, लेकिन उन्हें कोई छूट नहीं मिली।

विश्व कप से अर्जुन के बाहर होने से टूटा कैंडिडैट का सपना

गोवा, एजेंसी। गत सप्ताह भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और विश्व कप में भारत की आखिरी उम्मीद ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी क्वाटर फ़ाइनल के टाईब्रेक मुक़ाबले

में चीन के वे यी से हारकर बाहर हो गए थे और इस तरह विश्व कप में भारत की चुनौती समाप्त हो गई . क्लासिकल मुक़ाबले में जीत से चूकने के बाद आज अर्जुन का सामना पहले रैपिड में चीन के वे यी से हुआ पर एक दिन पहले मिले जीवनदान का फ़ायदा उठाते हुए उन्होंने सफेद मोहरो से अर्जुन की फ्रेंच ओपनिंग में बेहतरीन खेल दिखाते हुए कुछ नई चालों से अर्जुन को चौंका दिया हालांकि एक समय मुश्किल में लग रहे अर्जुन किसी तरह ड्रा करने में सफल रहे , दूसरी रैपिड बाजी में अर्जुन नें सफेद मोहरो से एक समय मजबूत स्थिति हासिल कर ली थी पर वह जीतने के प्रयास में कुछ ग़लतियाँ कर बैठे और वे यी नें जीत दर्ज करते हुए टाईब्रेक 1.5-0.5 से अपने नाम कर लिया । जीतने के बाद वे यी नें कहा की अर्जुन नें जीतने के लिए ज्यादा प्रयास किए वह खेल को ड्रा रखकर अगले टाईब्रेक में जा सकते थे । विश्व नंबर 4 अर्जुन इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में फीडे सर्किट के अंतिम क्षणो में ओर 2023 में विश्व कप क्वाटर फाइनल से हारकर कैंडिडैट से चुके है ओर यह चौंथी बार है जब उन्हे कैंडिडैट में स्थान नहीं मिला है । वहीं अन्य दो टाईब्रेक मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर सिंदारोव जावोखिर नें मेक्सिको के ग्रैंडमास्टर जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा को पराजित करते हुए सेमी फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया जहाँ उनका सामना अब हमवतन नोदिरबेक याकूबबोव से होगा । वहीं तीसरे मुक़ाबले में रूस के आंद्रे एसिपेंको नें यूएसए के सैम शंकलैंड को पराजित करते हुए सेमी फ़ाइनल में प्रवेश किया और अब उनका सामना चीन के वे यी से होना है ।

सेमी फ़ाइनल जीतने वाले दोनों खिलाड़ियों को सीधे कैंडिडेट में प्रवेश मिलेगा जबकि हारने वाले खिलाड़ियों को तीसरे स्थान के लिए मुकाबला जीतकर कैंडिडेट में पहुँचने का दूसरा और अंतिम मौका मिलेगा।

इस हार के साथ ही अब अगले फ़ीडे कैंडिडेट में भारत की उम्मीद अब सिर्फ़ प्रज्ञानन्दा ही बाक़ी है जो फ़ीडे सर्किट पॉइंट के ज़रिए अभी भी कैंडिडेट पहुँच सकते है ।

फाइनल में पाकिस्तान नहीं, बल्कि इस टीम को हराकर टी20 वर्ल्ड कप जीतना चाहेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दौर था, जब भारतीय क्रिकेटर और फैंस फाइनल में पाकिस्तान को मात देकर आईसीसी टूर्नामेंट जीतते देखना पसंद करते थे, लेकिन आज के दौर में हालात बदल गए हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अनुसार, वह ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतना पसंद करेंगे। मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। भारत और श्रीलंका में कुल 8 वेन्यू पर इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाना है। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-ए में रखा गया है। दोनों टीमें 15 फरवरी को 'हाईवोल्टेज मैच' खेलेंगी। सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी की ओर से आयोजित आगामी टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'अगर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल है, तो मैं चाहूंगा कि भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीते।' भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैदान पर बढ़ती प्रतिद्वंदिता के बीच सूर्यकुमार यादव चाहते हैं कि भारत टी20 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़े। इसकी दूसरी वजह यह भी है कि

टीम इंडिया कंगारुओं से वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहती है। 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 240 रन बनाए थे। इसके जवाब में ट्रेविस हेड (137) और मार्नस लाबुशेन (नाबाद 58) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महज 43 ओवरों में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 5-5 के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को भारत को ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में टीम इंडिया के साथ पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीमें शामिल हैं। वहीं, ग्रुप-बी में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान को रखा गया है।

ऐसा पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा, यह मेरे लिए अलग अनुभव है : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा को इस टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। ऐसा पहली बार होगा जब रोहित शर्मा टी20 विश्व कप में नहीं खेलेंगे, यह उनके लिए एक अलग अनुभव होगा। रोहित शर्मा ने अब तक टी20 वर्ल्ड कप के सभी एडिशन में हिस्सा लिया है। वह

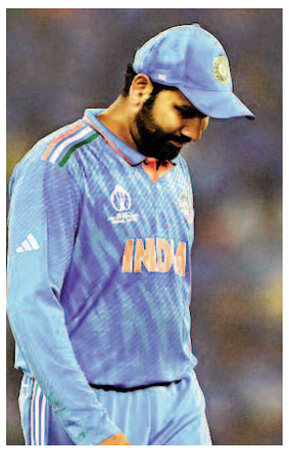

साल 2007 की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद साल 2024 में बतौर कप्तान खिताब जीता। रोहित ने कहा, 'इतने सारे देशों को टी20 वर्ल्ड कप में खेलते देखना खुशी की बात है। यह पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा। यह मेरे लिए एक अलग अनुभव है, लेकिन मुझे घर में टीवी पर मैच देखने की आदत हो गई है।' इस मौके पर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस इवेंट को चैलेंजिंग बताते हुए कहा कि उनके टीम के साथी घर पर खेलने के लिए उत्साहित हैं। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 में 20 टीमों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर 8 स्टेज के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान पर फोकस होगा। वहीं नीदरलैंड्स और यूएसए भी इस ग्रुप में हैं, जिन्होंने 2024 में पिछले एडिशन में पाकिस्तान को चौंका दिया था। इनके अलावा, नामीबिया को भी इस ग्रुप में शामिल किया गया है। ग्रुप-बी में श्रीलंका के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान की टीमें हैं। इनके अलावा, ग्रुप-सी में इंग्लैंड के साथ वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली को शामिल किया गया है।

पानी पर ताकत और तालमेल का खेल

रोइंग: जिसने ओलंपिक में बनाई खास पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब 8 हजार ईसा पूर्व लोग लकड़ी के लट्ठों को आपस में बांधकर उसे इस तरह तैयार करते थे कि उसमें खड़े होकर नदी को पार कर सकें। इससे न सिर्फ उन लोगों को नदी पार करने में मदद मिलती थी, बल्कि वे इसकी सहायता से मछलियों को भी पकड़ते थे। धीरे-धीरे लकड़ी के लट्ठों को काट-छांटकर उसे नाव का आकार दिया गया। उस दौरान किसी ने सोचा नहीं था कि एक दिन यही नाव ओलंपिक में पानी पर ताकत और तालमेल का खेल बनेगी। साल 1829 में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को आठ पतवारों वाली नाव के साथ एक मैच में हिस्सा लेने की चुनौती दी थी। इस पहली रेस में ऑक्सफोर्ड ने जीत हासिल की थी। 19वीं शताब्दी तक यूरोप में रोइंग ने लोकप्रियता हासिल कर ली। 1900 पेरिस ओलंपिक में इस खेल को पहली बार शामिल किया गया, और तब से लेकर आज तक प्रत्येक ओलंपिक में इस खेल ने अपनी छाप छोड़ी है। 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में पहली बार महिलाओं की स्पर्धा को शामिल किया गया और फिर 1996 अटलांटा ओलंपिक में लाइटवेट स्पर्धाओं की शुरुआत हुई। रोइंग रेस के दो प्रकार होते हैं- स्कलिंग और स्वीप ओअर। स्कलिंग में दो पतवारों का प्रयोग होता है, जबकि स्वीप में नाविक एक पतवार का उपयोग करता है। नाव चलाने वाले एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2, 4 और 8 की टीमों में प्रतिस्पर्धा करते हैं।

डबल स्कल्स एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार पकड़ते हैं, जबकि स्वीप रोइंग एथलीट दोनों हाथों से एक पतवार को पकड़ते हैं। 8 व्यक्तियों की टीम में एक मुख्य चालक होता है, जो अन्य सदस्यों को निर्देश देता है। उसे 'कॉक्सवेन' कहा जाता है।

उनके अलावा, अन्य सदस्य एक फुट पेडल के साथ पतवार को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक 10 से 12.4 मीटर की दूरी पर पानी की गहराई के साथ एक खास चीज को बांधकर रास्तों को चिन्हित किया जाता है। अगर किसी टीम या एथलीट से गलत शुरुआत हो जाए, तो उसे चेतावनी दी जाती है। अगर वह एथलीट या टीम गलती दोहराती है, तो उसे अयोग्य करार दिया जाता है। नाव का अगला भाग फिनिश लाइन कब पार करता है, यह जीत को तय करता है। भारतीय रोइंग ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह प्रगति की है, उसे देखते हुए ओलंपिक में भारत का भविष्य पहले से अधिक उज्ज्वल माना जा सकता है। भारतीय रोइंग में प्रतिभा का दायरा बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय रोअर्स तेजी से उभरकर सामने आए हैं। यह भविष्य की टीम के लिए मजबूत आधार है। उम्मीद की जा सकती है कि भारत जल्द इस खेल में भी ओलंपिक पदक हासिल करेगा।

स्मृति मंधाना को धोखा दे रहे थे पलाश मुच्छल?

मिस्ट्री गर्ल की पोस्ट से बड़ा ट्विस्ट आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना और म्यूज़िक कंपोज़र पलाश मुच्छल का रिश्ता हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है। जहां यह कपल कुछ समय पहले तक अपनी प्री-वेडिंग तस्वीरों के चलते सुर्खियों में था, वहीं अब वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट और लगातार बढ़ती अफवाहों ने कहानी को पूरी तरह पलट दिया है। इंटरनेट पर फैली जानकारी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन इन चर्चाओं ने फैंस के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति क्या है--यह जानने के लिए सबकी निगाहें कपल पर टिकी हैं।

विवाद की वजह बनी वायरल हुई कथित चैट

पलाश मुच्छल और कोरियोग्राफर मैरी डी 'कोस्टा की कथित निजी चैट ऑनलाइन फैलते ही मामला अचानक सुर्खियों में आ गया। पोस्ट की गई मैसेजिंग बातचीत में दावा किया जा रहा था कि पलाश किसी मुलाकात पर जोर दे रहे थे और अपने लॉन्ग-डिस्टेंस रिश्ते को लेकर असंतोष जता रहे थे। हालांकि, इन चैट्स की किसी भी विश्वसनीय स्रोत द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर इन पोस्ट्स ने बड़ी तेजी से बवाल खड़ा कर दिया, जिससे फैंस के बीच कई तरह के कयास लगने लगे।

फीफा विश्व कप 2026

ड्रॉ में स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड को फायदा! सेमीफाइनल से पहले नहीं होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना।

फीफा ने अगले साल होने वाले 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के ड्रॉ को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ अगले सप्ताह जारी होना है। इस ड्रॉ में पहली बार टेनिस-स्टाइल नॉकआउट ब्रैकेट सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके तहत दुनिया की शीर्ष चार टीमें स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड को अलग-अलग हिस्सों में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि अगर ये चारों टीमें अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल करती हैं, तो वे सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेलेंगी।